मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 113
सोमवार, 03 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आंध्र प्रदेश में मंदिर भगदड़: वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर हादसे में 9 की मौत

आंध्र प्रदेश, 02 नवम्बर। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले स्थित काशीबुग्गा गांव में बने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में कार्तिक एकादशी के दर्शन के लिए श्रद्धालु उमड़े थे। यह मंदिर ओडिशा के 94 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हरि मुकुंद पांडा द्वारा बनाया गया है और महज चार महीने पहले ही खोला गया था। बताया जाता है कि यह मंदिर तिरुमाला तिरुपति मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है और यहां हर शनिवार को औसतन 3,000 श्रद्धालु आते हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इस बार कार्तिक एकादशी का पहला आयोजन होने के कारण लगभग 20,000 से ज्यादा लोग जुट गए थे। हालांकि, मंदिर प्रबंधन ने भीड़ के बारे में न तो प्रशासन को सूचित किया और न ही किसी प्रकार का सुरक्षा इंतजाम किया गया। एक ही गेट से प्रवेश और निकासी की व्यवस्था, संकरी सीढ़ियां और कमजोर रेलिंग के चलते हालात बदतर हो गए।

सुबह करीब 9 बजे के बाद अचानक भीड़ का दबाव बढ़ा और सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से भगदड़ मच गई, जिससे आठ महिलाओं और एक 13 वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। गौरतलब है कि 25 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। जिलाधिकारी के वी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि ये रेलिंग पहले से ही कमजोर थी, और जैसे ही एक व्यक्ति के गिरने की वजह से संतुलन बिगड़ा, तुरंत अफरा-तफरी फैल गई। मौके पर मौजूद श्रद्धालु रमनम्मा ने बताया कि कुछ ही मिनटों में लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे और चीख-पुकार मच गई।

उधर, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अगर पहले से सूचना होती तो पुलिस बेहतर भीड़ प्रबंधन कर सकती थी। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस के मुताबिक, मंदिर न तो राज्य के मंदिर एंडॉवमेंट विभाग में पंजीकृत है और न ही इसके पास बड़ी धार्मिक सभाओं की अनुमति थी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 100 के तहत मामला दर्ज किया है और चार मंदिर कर्मचारियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। बता दें कि यह इस वर्ष आंध्र प्रदेश में तीसरी बड़ी मंदिर दुर्घटना है। इससे पहले जनवरी में तिरुपति में छह लोगों की मौत और अप्रैल में विशाखापट्टनम के सिम्हाचलम मंदिर में दीवार गिरने से सात लोगों की जान चली गई थी। ऐसे में एक बार फिर धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। मंदिर के संस्थापक हरि मुकुंद पांडा ने इस हादसे को ह्लईश्वर की इच्छाह्व बताते हुए किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी से खुद को अलग कर लिया है। लेकिन स्थानीय लोग इसे लापरवाही का नतीजा मान रहे हैं और प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घायल श्रद्धालुओं का इलाज जारी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मोकामा हत्याकांड : जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह गिरफ्तार

पटना, 02 नवम्बर। पटना में सियासी सरगर्मियों के बीच रविवार को बड़ा एक्शन लेते हुए जेडीयू के विवादित नेता और मोकामा से उम्मीदवार अनंत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता दुलारचंद यादव की हत्या के सिलसिले में की गई है, जिनकी गुरुवार को चुनाव प्रचार के दौरान संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। इसी मामले में पुलिस ने दो अन्य सहयोगियों मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को भी हिरासत में लिया है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि यादव की मौत गोली लगने से नहीं, बल्कि फेफड़े फटने और कई पसलियां टूटने की वजह से हुई। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह हिंसा चुनावी प्रचार के दौरान दो गुटों के टकराव में हुई। यादव जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी पियूष प्रियदर्शी के समर्थन में प्रचार कर रहे थे। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच और गवाहों के बयान के आधार पर यह हत्या का मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि यादव के परिवार द्वारा दर्ज एफआईआर में अनंत सिंह का नाम स्पष्ट रूप से दर्ज है, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। हालांकि, जन सुराज पार्टी का आरोप है कि पुलिस ने गिरफ्तारी में देरी की।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने इस मामले पर कड़ी नजर रखते हुए पटना ग्रामीण एसपी समेत कई अधिकारियों का तबादला कर दिया है। साथ ही बाढ़ के एक डीएसपी को निलंबित कर अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होने हैं, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। इन घटनाओं के बीच प्रशासन कानून-व्यवस्था और मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के पालन को लेकर सख्त है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और आने वाले दिनों में और खुलासे होने की उम्मीद हैं।

एनडीए का डबल इंजन हर मोर्चे पर फेल: सचिन पायलट

पटना। पटना में मीडिया से बात करते हुए सचिन पायलट ने लोकसभा चुनाव के नतीजों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में '400 पार' का दावा किया था, लेकिन 250 सीटें भी नहीं ला पाई। पायलट ने तंज कसते हुए कहा कि केंद्र में सरकार बनाने के लिए बीजेपी को बिहार और आंध्र प्रदेश की 'बैसाखियों' पर निर्भर रहना पड़ा। उन्होंने भरोसा जताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद, बीजेपी की यह 'बैसाखियां' छीन ली जाएंगी। पायलट ने नीतीश कुमार पर अपना रुख बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि नीतीश कुमार वही व्यक्ति हैं जिन्होंने एक समय पीएम मोदी द्वारा 'डीएनए पर सवाल उठाए जाने' के विरोध में सैकड़ों बिहारवासियों के काटे हुए नाखून कुरियर से भेजे थे। पायलट ने कहा कि अब 'कुर्सी से मोह' के कारण वह 'भाजपा के सामने बेबस और असहाय' हो चुके हैं।

राजग के 'डबल इंजन' सरकार के दावे पर हमला करते हुए पायलट ने कहा, 'यह डबल इंजन हर मोर्चे पर फेल हो गया है।' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के बिहार रोड शो पर सवाल उठाते हुए पूछा कि मोदी जी बताएं, उन्होंने 1.25 लाख करोड़ रुपए के विशेष पैकेज, निवेश और रोजगार सृजन के कितने वादे पूरे किए? पायलट ने कहा कि पीएम मोदी जिन सड़कों से गुजरेंगे, 'उन्हीं सड़कों पर बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठियां बरसाई गई थीं। पायलट ने आरोप लगाया कि राजग जनता को गुमराह कर रहा है और 'पुराने अधूरे वादों के बावजूद नये झूठे वादे कर रहा है।' उन्होंने कहा कि अगर 'ठोस नीयत हो' तो युवाओं के लिए व्यापक रोजगार उपलब्ध कराना संभव है। पायलट ने भरोसा जताया कि बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन 'आसानी से बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर जाएगा।

पटना में मोदी का शक्ति प्रदर्शन, उमड़ा जनसैलाब

पटना, 02 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पटना में एक भव्य रोड शो किया। हजारों समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत के साथ, प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के चुनावी अभियान की शुरूआत की। कड़ी सुरक्षा के बीच, जब प्रधानमंत्री का काफिला शहर से गुजरा, तो लोगों ने जयकारे लगाए, भाजपा के झंडे लहराए और मोदी-मोदी के नारे लगाए। महिलाएं अपनी बालकनियों से आरती उतारती नजर आईं, जबकि अन्य लोग मार्ग पर पुष्प वर्षा करते नजर आए, जिससे रोड शो एक उत्सव में बदल गया।

प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह अविश्वसनीय था। महिलाओं ने अपनी प्रशंसा व्यक्त की और आरती उतारी; यह हमारे लिए एक भावुक क्षण था। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने नवादा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने बिहार के लोगों के अपार उत्साह के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि युवाओं में दिख रही ऊर्जा फिर एक बार एनडीए सरकार का एक मजबूत संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भीड़ का उत्साह एनडीए के विकास-केंद्रित शासन मॉडल में लोगों के विश्वास को दशार्ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यहाँ की ऊर्जा प्रगति के हमारे विजन में बिहार के विश्वास को दशार्ती है।

अपने भाषण में, प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला और राजद और कांग्रेस दोनों पर जनकल्याण से पहले पारिवारिक हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, राजद और कांग्रेस, दोनों ही अपने-अपने परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। एक बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार है, तो दूसरा देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। प्रधानमंत्री मोदी ने गठबंधन की अंदरूनी कलह का भी मजाक उड़ाया और दावा किया कि कांग्रेस और राजद अपनी साझेदारी के बावजूद एक-दूसरे के खिलाफ काम कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, पूरे देश ने देखा कि कैसे राजद ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा किया। खबर यह है कि कांग्रेस हर बूथ पर राजद को हराने के लिए प्रतिबद्ध है। राजद के शासनकाल को याद करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने इसे अपराध और भ्रष्टाचार से भरा जंगल राज का दौर बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने छोटे किसानों के समर्थन की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिन्हें उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने उपेक्षित किया है। उन्होंने कहा, आजादी के बाद की सरकारों ने छोटे किसानों के हितों को प्राथमिकता नहीं दी... लेकिन ये मोदी हैं - जिनके बारे में किसी ने नहीं पूछा, मोदी उनकी परवाह करते हैं।

लोकतंत्र बचाने सुप्रीम कोर्ट जाएगी डीएमके

तमिलनाडु, 02 नवम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया गया। एक पोस्ट साझा करते हुए, एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव की घोषणा की और आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के पीछे का उद्देश्य लोगों के मताधिकार को छीनना है। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने के इरादे से जल्दबाजी में लागू किए जा रहे एसआईआर के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना सभी दलों का कर्तव्य है।

एमके स्टालिन ने आगे कहा, मतदाता सूची संशोधन में भ्रम और शंकाओं के संबंध में - चूँकि हमारी माँग थी कि ये संशोधन 2026 के आम चुनावों के बाद पर्याप्त समय पर और बिना किसी समस्या के किए जाएँ, चुनाव आयोग द्वारा स्वीकार नहीं की गई है, इसलिए हमने आज की सर्वदलीय बैठक में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव पारित किया है। स्टालिन ने बैठक में भाग लेने वाले 49 दलों को लोकतंत्र की रक्षा के लिए धन्यवाद भी दिया। पोस्ट में लिखा था कि मैं सर्वदलीय बैठक में भाग लेने वाले और अपनी भावनाएँ व्यक्त करने वाले 49 दलों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं उन लोगों से अनुरोध करता हूँ जिन्होंने इस बैठक में भाग नहीं लिया है कि वे अपनी पार्टियों में रक्षपर चर्चा करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पहल करें।

डीएमके नेता आरएस भारती ने एसआईआर को अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कवायद बताया। उन्होंने कहा, हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसे किसी छिपे हुए इरादे से लागू किया जा रहा है। यह एसआईआर नहीं है। यह अप्रत्यक्ष रूप से एनआरसी में शामिल होने जैसा है। हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं। बैठक में शामिल न होने वाले दलों पर निशाना साधते हुए भारती ने उन्हें भाजपा का गठबंधन बताया। उन्होंने कहा, हमें उनकी परवाह नहीं है। वे सभी भाजपा गठबंधन में हैं। इसलिए वे नहीं आए।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

नाबालिग छात्रा ने की स्कूल बस चालक से शादी, बाद में दोनों ने खाया जहर

गोरखपुर। गोरखपुर जिले के गुलरिहा क्षेत्र में 11वीं कक्षा की एक छात्रा ने अपने स्कूल के एक बस चालक से मंदिर में शादी कर ली। पकड़े जाने के डर से दोनों ने कथित तौर पर जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि नाबालिग छात्रा ने अपने ही स्कूल के 23 वर्षीय बस चालक अभिषेक शर्मा उर्फ हैप्पी के साथ जाकर एक स्थानीय मंदिर में शादी कर ली और बृहस्पतिवार को पकड़े जाने के डर से दोनों ने कीटनाशक खा लिया। सूत्रों ने बताया कि दोनों ने अपनी कलाई भी काट ली। उन्होंने बताया कि छात्रा और बस चालक को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है जहां अभिषेक की हालत गंभीर बतायी जाती है।

वैश्विक अनिवार्यता है हिमालय की रक्षा

मानवीय हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन के गठजोड़ ने हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी पर हाल के दिनों में संकट गहरा दिया है। लगातार बढ़ रही परियोजनाओं और कांक्रीट आधारित निर्माण के पर्यावरणीय, सामाजिक और भू-वैज्ञानिक प्रभावों को नियंत्रित करते हुए अब हमें एक सतत स्थायित्व की राह तलाशना होगी। विश्व की 'छत' और 'तीसरे ध्रुव' के रूप में विख्यात हिमालय, केवल एक प्राकृतिक भौगोलिक संरचना मात्र नहीं है, बल्कि एक जीवंत पारिस्थितिकी प्रणाली है जो करोड़ों लोगों , फ्लोरा , फोना की जीवन रेखा का आधार है ।हिमालय अपनी विशालता के बावजूद अत्यंत नाजुक और अपेक्षा कृत नया वलित पर्वत है, जो अभी भी भू-वैज्ञानिक दृष्टि से सक्रिय है और प्रतिवर्ष लगभग 5 मिलीमीटर ऊँचा उठ रहा है ।नेचर द्वारा इसके भूभाग का स्थाई सेटलमेंट होना शेष है।इस निरंतर चल रही नैसर्गिक प्रक्रिया में भूस्खलन होते रहते हैं।पिछले कुछ दशकों में 'विकास' के नाम पर इस क्षेत्र में जिस पैमाने पर निर्माण हुआ है, उसने न केवल इसकी नैसर्गिक सुंदरता को विकृत किया है, बल्कि इसके अस्तित्व के लिए ही गंभीर संकट खड़ा कर दिया है।

लगातार बढ़ती जलविद्युत परियोजनाओं ने भी हिमालय पर खतरा बढ़ा दिया है। हिमालयी क्षेत्र को भारत का 'पावर हाउस' माना जाता है, जहाँ 46,850 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ 1,15,550 मेगावाट की संभावित जलविद्युत क्षमता है ।नवंबर 2022 तक इस क्षेत्र के 10 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों में 81 बड़ी जलविद्युत परियोजनाएँ (25 मेगावाट से अधिक उत्पादन क्षमता की) कार्यशील थीं और 26 अन्य निमार्णाधीन थीं, जबकि 320 और बड़ी परियोजनाएँ विभिन्न स्तरों पर क्रियान्वयन स्वीकृति हेतु विचाराधीन हैं ।हिमाचल प्रदेश की केवल सतलुज नदी घाटी में ही यदि सभी प्रस्तावित परियोजनाओं का निर्माण हो जाता है तो 22% नदी बाँध के पीछे झील के रूप में खड़ी रहेगी और 72% सुरंगों के भीतर बहेगी।जलविद्युत परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वनों की कटाई की जाती है। किन्नौर जिले में ही, 2014 तक विकास परियोजनाओं के लिए 984 हेक्टेयर वन भूमि का हस्तांतरण किया जा चुका था, जिसमें से 90% जलविद्युत परियोजनाओं और ट्रांसमिशन लाइनों के लिए था । क्षतिपूरक नवीन वनीकरण की नीति भी प्रभावी नहीं रही है, क्योंकि नए पौधारोपण के वृक्ष बनते तक अक्सर रोपण असफल हो जाते हैं और वनों के वास्तविक नुकसान की भरपाई नहीं कर पाते । इसके अलावा, परियोजनाओं के निर्माण से पहाड़ों में व्यापक भू-स्खलन की घटनाएँ बढ़ी हैं, जैसा कि रुद्रप्रयाग और टिहरी जिलों में देखा गया ।केदारनाथ की घटना से लेकर धाराली में बादल फटने की मार का दर्द भूला नहीं जा सकता। स्थानीय समुदायों को इन परियोजनाओं की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।उनकी आजीविका के मुख्य स्त्रोत वन और जल स्त्रोत नष्ट हो रहे हैं ।जनसांख्यिकीय बदलाव आ रहे हैं, जहाँ युवाओं का पलायन बढ़ रहा है, जिससे आत्मनिर्भरता में कमी आई है और महिलाओं व बुजुर्गों पर घरेलू जिम्मेदारी का बोझ बढ़ा है। हिमालय भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र का हिस्सा है और इसके नदी घाटी क्षेत्र प्राकृतिक रूप से भूस्खलन के प्रति संवेदनशील हैं।जलवायु परिवर्तन ने इस स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है।ग्लेशियरों के पिघलने, पर्माफ्रॉस्ट के अस्थिर होने, तड़ित बिजली और बादल फटने जैसी घटनाओं में निरंतर वृद्धि ने इस क्षेत्र को आपदाओं के प्रति और अधिक संवेदनशील बना दिया है। हाल के वर्षों में जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़ी आपदाओं की आवृत्ति चिंताजनक रूप से अधिक रही है।2013 में केदारनाथ बाढ़ से फाटा-ब्युंग, सिंगोली-भटवारी और विष्णुप्रयाग परियोजनाओं को गंभीर क्षति हुई थी। 2021 के भूस्खलन और हिमस्खलन से ऋषि गंगा परियोजना का विनाश, विष्णुगढ़-तपोवन परियोजना क्षतिग्रस्त होना, 200 से अधिक लोगों की मौत भूली नहीं जा सकती। 2022 किन्नौर में भूस्खलन से 1,091 मेगावाट की करछम वांगटू जलविद्युत संयंत्र का निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है और इसी वर्ष हुई धाराली की घटना के जख्म तो शायद कभी भर ही नहीं पाएंगे।

हाल की घटनाओं से स्पष्ट है कि हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाएँ और अंतहीन निर्माण कार्य न केवल पर्यावरण के लिए, बल्कि मानव जीवन के लिए भी गंभीर जोखिम उत्पन्न कर रहीं हैं।हिमालय के संरक्षण और सतत सस्टेनेबल विकास के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। अब इनका वैज्ञानिक पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। हिमालय में अधिकांश मौजूदा या निमार्णाधीन परियोजनाओं की परिकल्पना पिछले 10-15 वर्ष पहले की गई थी। वर्तमान वैज्ञानिक आँकड़ों के आधार पर इन परियोजनाओं का पुनर्मूल्यांकन करने की सख्त आवश्यकता है।विशेषज्ञ समितियाँ (जैसे रवि चोपड़ा समिति) गठित कर इन परियोजनाओं के प्रभाव का गहन अध्ययन किया भी गया है , इस अध्ययन का विस्तार किया जाना चाहिए । स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाना होगा, परियोजना पर निर्णय लेने से पूर्व स्थानीय पंचायत की लिखित सहमति ली जानी चाहिए। सभी नीतियों और योजनाओं में स्थानीय जनता, विशेषकर महिलाओं की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन करने वाला सामाजिक वातावरण बनाना चाहिए। बड़ी निर्माण परियोजनाओं को अनुमति दिए जाने के निर्णयों पर पुनर्विचार करना होगा। भागीरथी इको-सेंसिटिव जोन (इएंे) जैसी सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं के पालन को कड़ाई से सुनिश्चित करना होगा। हिमालय की रक्षा केवल किसी एक क्षेत्र या देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह एक वैश्विक अनिवार्यता है ।जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य निस्संदेह महत्वपूर्ण है, परंतु यह लक्ष्य हिमालय जैसी नाजुक पारिस्थितिकी प्रणाली की कीमत पर पूरा नहीं किया जाना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि हम विकास की अपनी अवधारणा पर पुनर्विचार करें और एक ऐसे मॉडल को अपनाएँ जो मानव की आवश्यकताओं और प्रकृति के संरक्षण के बीच सामंजस्य स्थापित कर सके। हिमालय केवल एक पर्वत श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आशा और अस्तित्व का प्रतीक है, और इसकी रक्षा करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। **(विवेक रंजन श्रीवास्तव -विभूति फीचर्स)**

अन्नदाताओं की अंतहीन परेशानियाँ

-विक्रम दयाल

अन्नदाताओं को कई अंतहीन परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें अनियमित मौसम और प्राकृतिक आपदाएँ, उच्च लागत, खराब बुनियादी ढांचा, और फसल के लिए कम और अनिश्चित मूल्य शामिल हैं। इसके अलावा बीज, खाद और कीटनाशकों जैसी आवश्यक सामग्री कि अनुपलब्धता और काला बाजारी भी उनकी मुसीबतों को और बढ़ा देती है, जिससे वे लगातार कर्ज और अनिश्चितता के जाल में फंसे रहते हैं। अन्नदाता कि मुख्य परेशानियों में प्राकृतिक और मौसमी चुनौतियाँ हैं, जैसे कि अप्रत्याशित और अनियमित वर्षा या सूखे से फसलें बर्बाद हो जाती हैं। बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को नुकसान उठाने पड़ते हैं। जैसे कि बढ़ती लागत के अंदर बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की बढ़ती कीमतें के कारण किसानों को कर्ज लेना पड़ता है। उदाहरणार्थ 2020 और 2022 के बीच उर्वरक की कीमतों में 96% की वृद्धि हुई है। बुनियादी ढांचे की कमी: खराब सड़कें और परिवहन सुविधाओं के कारण फसल को मंडी तक ले जाने में भी परेशानी होती है, जिससे लागत बढ़ जाती है। भंडारण सुविधाओं की कमी से भी फसलों को नुकसान होता है। किसानों के लिए सरकारी योजनाओं की कमी है, जैसे की बीमा योजनाएं कागजी कार्रवाई में उलझा देती हैं और किसानों को उसका लाभ कुछ ही किसानों को मिल पाता है। कृषि ऋण के लिए भी किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। तकनीकी और संस्थागत समस्याएं: बहुत सारे किसान आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने में असमर्थ हैं या उनके पास इसकी जानकारी नहीं है, जिससे उत्पादकता में कमियाँ रह जाती है। फसल प्रबंधन, जैसे कीट और रोग नियंत्रण, भी किसानों के सामने एक चुनौती है। विपणन और वितरणः खाद और अन्य उर्वरकों की कमी और वितरण में अव्यवस्था के कारण किसान परेशान रहते हैं। पशुपालन पर प्रभाव: आधुनिक खेती से पशु चारे की कमी हो रही है, जिससे पशु पालन प्रभावित हो रहा है, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है। इसके बावजूद जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान मात्र सोलह प्रतिशत ही है। सदियों से अन्ना दाता कठोर परिश्रम कर देश का पेट तो पाल रहा है, लेकिन स्वयं वह कई रातें भूखा ही सो जाता है। 2025 को लिए भारतीय कृषि की दस प्रमुख और मुख्य समस्याओं में मानसून पर निर्भरता, खंडित भूमि जोत, अपर्याप्त प्रौद्योगिकी पहुँच, मिट्टी का क्षरण, फसल के बाद की हानि, ऋण की कमी, बाजार में अस्थिरता, श्रम की कमी, सीमित विस्तार सेवाएँ और पर्यावरण संबंधी चिंताएं शामिल हैं। अगर देखा जाय तो, किसान अन्नदाताओं की बेहिसाब परेशानियाँ निरंतर बनी रहती है। कभी भी किसान जूझते परेशानी से उबर नहीं पाता है। फिर भी उसे अपनी गृहस्थी कि चिंता बनी रहती है, और वह अपना काम करते ही रहता है। जमीन से सोना निकालते ही रहता है। अन्नदाता किसान का जीवन जमीन से जुड़ा रहने के कारण कभी वह जमीन से अलग नहीं हो पाता है। परिवार के भरण पोषण को लिए वह तत्परता से अपने कर्तव्य कि पालन करते रहता है। इसलिए हम या हमारा देश अन्नदाता किसान के कर्ज तले हमेशा दबा रहता है। जय जवान जय किसान का नारा गलत नहीं है। सत्य है। हमें किसानों के हित के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए, क्योंकि किसान हमारा और देश का पेट जो पालते हैं।

सियासत के पार गहलोत और माथुर की मुलाकात के मायने

- भरत सोलंकी

राजनीति में जब विरोधी विचारधाराओं के दो दिग्गज नेता अकेले में मिलते हैं, तो हलचल होना स्वाभाविक है। परंतु कुछ मुलाकातें ऐसी होती हैं, जो राजनीति के दायरे से ऊपर उठकर मानवीय मजबूतियों और रिश्तों की सच्चाई को बयान करती हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर की जयपुर में हुई भेंट भी कुछ वैसी ही रही। यह मुलाकात न किसी राजनीतिक सौदेबाजी का संकेत थी, न कोई भावी रणनीति का हिस्सा और न ही सियासत की सांसों के सच को संवारने की कोशिश। बल्कि यह वह पल था, जब जीवन की आत्मीयता, पुरानी यादों के साये और आपसी सम्मान की भावना ने सियासत की सीमाओं को और विस्तार दे दिया। इस मुलाकात ने यह याद दिला दिया कि राजनीति के मैदान में भले ही विचारधाराएं टकराती हों, लेकिन रिश्तों का संसार सदा संवेदनाओं से सहेजा रहता है।

राजस्थान के दिग्गज बीजेपी नेता रहे और अब सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर 1 नवंबर 2025 को सुबह जयपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सिविल लाइंस स्थित निवास पर अपने परिवार में होने वाले विवाह समारोह का निमंत्रण देने पहुंचे। यह दृश्य राजस्थान की राजनीति में एक सुकून भरा अपवाद था। गहलोत ने उनका आत्मीयता से स्वागत किया, और दोनों के बीच पारिवारिक स्तर की बातचीत हुई। कोई राजनीतिक विमर्श नहीं, कोई रणनीति नहीं – बस सिर्फ संबंधों की गर्माहट। आजकल की राजनीति के कठोर और प्रायः आरोप - प्रत्यारोप भरे माहौल में, यह मुलाकात जीवन के मानवीय पक्ष को सहेजने का अवसर बन गई। गहलोत से इस मुलाकात को राज्यपाल माथुर ने स्वयं भी रील के जरिए सोशल मीडिया पर प्रेषित कर-के संबंधों के सच को संवारा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी सहयोगी रहे राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि सियासत का यही वह मानवीय पहलू है जो बताता है कि राजनेताओं के बीच मतभेद तो हो सकते हैं, लेकिन रिश्तों की डोर अगर सच्चाई और सद्भाव से बुनी हुई हो, तो वह कभी कमजोर नहीं पड़ती। परिहार कहते हैं कि वैसे भी राजस्थान की राजनीति में ओमप्रकाश माथुर और अशोक गहलोत केवल बीजेपी या कांग्रेस के नेता नहीं, बल्कि जन नेता माने जाते हैं और उससे भी आगे, दोनों नेता राजनीति की उस पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं, जिन्होंने सियासत को सेवा और संवाद का माध्यम माना है।

अशोक गहलोत आज के दौर में, कांग्रेस के सबसे अनुभवी नेताओं में गिने जाते हैं, जबकि राज्यपाल बनने से पहले ओमप्रकाश माथुर भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकार रहे हैं। गहलोत और माथुर दोनों की छवि अपने अपने स्तर पर वैचारिक रूप से बेहद दृढ़ नेता की रही हैं। एक जन्म से संघ परिवार का स्वयंसेवक, तो दूसरा सदा से गांधीवादी। सामान्यतः राजनीति में ऐसे नेताओं के बीच संबंध औपचारिक या स्पष्ट दूरी भरे होते हैं। परंतु गहलोत और माथुर दोनों की की विशेषता यही रही है कि वे विचारधारा से परे जाकर इंसानियत और आत्मीयता को प्राथमिकता देते हैं। यही कारण है कि वे विरोधी दल के नेताओं से भी सद्भाव बनाए रखते हैं। उनके भीतर एक ह्यराजनीतिक सज्जनताह्न की वह परंपरा जीवित है, जो अब धीरे-धीरे राजनीति से गायब होती जा रही है। राजस्थान की राजनीति के जानकार वरिष्ठ पत्रकार हरिसिंह राजपुरोहित का मानना है कि अशोक गहलोत की यही सहजता उन्हें न केवल अपनी पार्टी में, बल्कि विपक्ष के नेताओं के बीच भी सम्मान दिलाती है। राजपुरोहित कहते हैं कि माथुर और गहलोत की यह मुलाकात भले ही विवाह के आमंत्रण के लिए थी, लेकिन असल में, यह दोनों के एक दूसरे के प्रति सहज, सरल और सुदृढ़ मानवीय दृष्टिकोण का विस्तार है।

राजस्थान की राजनीति में यह कोई रहस्य नहीं कि गहलोत के लगभग सभी दलों के नेताओं से आत्मीय संबंध रहे हैं। माथुर की गहलोत से मुलाकात के बहाने बीजेपी के बड़े नेताओं की बात करें, तो भैरोंसिंह शेखावत से उनके स्नेहपूर्ण संबंध रहे। वसुंधरा राजे के साथ भी गहलोत का संवाद सदा सौहार्दपूर्ण रहा है। गुलाबचंद कटारिया की फकीरी के गहलोत भी कायल हैं, तो डॉ सतीश पूनिया से भी उनका अपनापन रहा है। इसी तरह से शेखावत, राजे, कटारिया, पूनिया और माथुर के मन में भी गहलोत के प्रति कभी कटुता नहीं रही। ओमप्रकाश माथुर, जो भले ही वर्तमान में राज्यपाल हैं लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी के संगठनात्मक स्तंभ रहे हैं, उनका केंद्र भी सदा राजस्थान ही रहा है। यही साझा भूमि गहलोत और माथुर को जोड़ती रही है। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाते हैं और उनकी राजनीति की गहराई को जानते भी हैं। परिहार बताते हैं कि गहलोत की यह सदा से मान्यता रही है कि राजनीतिक विचारधाराएं भले अलग हों, मगर आपसी सम्मान में कभी कमी नहीं आई आनी चाहिए। वे बताते हैं कि राजनीति में विचारधारा के चलते राजनीतिक आलोचना भले ही करे, लेकिन गहलोत किसी के भी प्रति राजनीतिक तौर पर व्यक्तिगत कटुता कभी नहीं रखते।

सियासत में संबंध सौदेबाजी से नहीं, बल्कि सदाशयता से बनते हैं। अशोक गहलोत इस कला में निपुण हैं। गहलोत के तीन बार के मुख्यमंत्रित्व काल के 15 वर्षों के दौरान अनेक अवसर आए, जब उन्होंने विरोधी दलों के नेताओं के सुझावों को भी दिल खोल कर अपनाया। वरिष्ठ पत्रकार हरिसिंह राजपुरोहित कहते हैं कि उदयपुर में झीलों के जल संकट को सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने धुर विरोधी, भाजपा नेता गुलाबचंद कटारिया के आग्रह पर देवास द्वितीय प्रोजेक्ट के लिए 50 करोड़ रुपए एक पल में ही मंजूर कर दिए। यह निर्णय किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं था, बल्कि जनता के हित और रिश्तों के सम्मान का प्रतीक था। राजपुरोहित कहते हैं कि गहलोत की यही कार्य शैली बताती है कि राजनीति यदि मानवीय दृष्टिकोण से की जाए, तो विरोध भी सहयोग में बदल सकता है। यही संवेदनशीलता उन्हें आज भी राजस्थान की राजनीति में एक अलग पहचान देती है। वैसे भी, राजनीति की भाषा चाहे बदल जाए, लेकिन ऐसी आत्मीय मुलाकातें हमें याद दिलाती हैं कि विचारधारा अलग हो सकती है, मगर विचारशीलता और विनम्रता ही राजनीति की असली पहचान है।

दरिया दिल कहे जाने वाले दो दिग्गज नेताओं, अशोक गहलोत और ओमप्रकाश माथुर की मुलाकात ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति सिर्फ सत्ता की जंग नहीं, बल्कि उसके साये में रिश्तों और संवेदनाओं का भी संसार सदा विकसित होता रहता है। राजनीतिक विश्लेषक संदीप सोनवलकर कहते हैं कि गहलोत और माथुर की इस मुलाकात ने, न केवल सियासत को एक नई सोच दी, बल्कि लगातार टुच्चेपन और ओछेपन से सराबोर होती सियासत के किरदारों यह भी याद दिलाया है कि संवाद और सद्भाव ही राजनीति की असली आत्मा हैं। साथ ही दोनों नेताओं की यह की मुलाकात उस परंपरा का भी प्रतीक है, जहां सियासी सीमाएं इंसानी रिश्तों के आगे सीमित पड़ जाती हैं। सच्चे नेता वही हैं जो सत्ता से परे इंसानियत के रिश्तों को निभाते रहें।

बिहार : अब 'बेचारगी' के नाम पर वोट की दरकार

-तनवीर जाफरी

बिहार चुनाव की तिथि जैसे जैसे करीब आती जा रही है, वैसे वैसे बिहार में हो रहे चुनाव प्रचार में भी तरह तरह के रंग भरते देखे जा रहे हैं। बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नीतीश सरकार ने सत्ता का पूरा लाभ उठाते हुये आदर्श आचार संहिता लागू होने से कुछ ही मिनट पहले कई ऐसी महत्वपूर्ण घोषणाएं और धन वितरण किए जिनसे वहां के मतदाताओं के एक वर्ग विशेषकर महिलाओं को लाभ पहुंचा। जैसे महिला उद्यमी योजना के तहत 10,000 रुपये की पहली किस्त 6 अक्टूबर 2025 यानी चुनाव की तारीख की घोषणा होने से कुछ ही मिनट पहले हस्तांतरित की गयी ।नितीश सरकार द्वारा यह दावा किया गया कि इससे 21 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। इसके अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि,मासिक पेंशन ?400 से बढ़ाकर ?1,100 करने की आदि की घोषणा गई। इसी तरह विपक्षी महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव ने भी लोकलुभावन योजनाओं का पिटारा खोल कर रख दिया है। राज्य के हर परिवार को एक सरकारी नौकरी सहित महिलाओं को लुभाने तक के लिए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने वादा किया है कि सत्ता में आने पर जीविका दीदियों को 30,000 रुपये मासिक वेतन वाली सरकारी नौकरी मिलेगी। साथ ही, ब्याज -मुक्त लोन और अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी।ऐसी और भी कई लोकलुभावन घोषणाएं विपक्षी गठबंधन की ओर से की गयी हैं। बेशक ऐसी घोषणायें मतदाताओं को आकर्षित करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा हैं।

परन्तु सत्तारूढ़ राजग के बिहार विधानसभा के सबसे बड़े घटक दल भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार में कुछ अलग ही रंग भरने की कोशिशें की जा रही हैं। बड़ा आश्चर्य है कि लगभग दो दशक से सत्ता में रहने वाला राजग आज भी बिहार वासियों को लालू राज के दौर का कथित जंगल राज याद दिला रहा है? खासकर भाजपा के स्टार प्रचारक शोले फिल्म की तर्ज पर बिहार के मतदाताओं को याद करा रहे हैं कि राजग गया तो प्रदेश में गुंडा राज स्थापित हो जायेगा। यह बात तब कही जा रही है जबकि आज भी बिहार में सरे आम अपहरण की घटनाएं हो रही हैं। इसी वर्तमान चुनाव में राजनैतिक लोगों की हत्याएं हो रही हैं। अस्पताल में अपराधियों द्वारा दिन दहाड़े भर्ती मरीज की हत्या की जा रही है। पूरे राज्य में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। शराब बंदी के बावजूद तीन चार गुने रेट पर शराब की होम डिलेवरी की जा रही है। परन्तु ऐसी अनेक नाकामियों के बाद भी वोट, लालू के 20 वर्ष पुराने कथित गुंडा राज को याद दिला कर मांगा जा रहा है?

इसके अलावा क्या प्रधानमंत्री तो क्या गृह मंत्री जैसे भाजपाई स्टार प्रचारक, सभी अपनी पार्टी का वही सधा सधाया विद्वेषपूर्ण राग अलाप रहे हैं। महागठबंधन पर 'तुष्टिकरण' का आरोप लगा रहे हैं तो कभी उनपर 'घुसपैठियों' को संरक्षण देने का इलजाम लगा रहे हैं। बिहार की सत्ता में सबसे बड़ी भागीदारी निभाने के बावजूद आज भी जिस भाजपा के पास अपना कोई भी राज्य स्तरीय नेता तक न हो जिसने आज तक साफ शब्दों में अपना मुख्य मंत्री का चेहरा घोषित न किया हो वह पार्टी कभी नेहरू को कोस कर तो कभी भावनात्मक बातें कर राज्य के लोगों की शिक्षा,बेरोजगारी,स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था जैसे मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। स्वयं जिस पार्टी के प्रदेश के सबसे बड़े नेता व बिहार के निवर्तमान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की नकली डिग्री,उनपर बार बार अपना नाम बदलने यहाँ तक कि उनपर सामूहिक हत्याएं करने जैसे आरोप विरोधियों द्वारा संवाददाता सम्मेलन में लगाये जा रहे हों उस भाजपा के मंच से स्वयं प्रधानमंत्री मोदी लोगों को यह बता रहे हैं कि राहुल व तेजस्वी जमानत पर घूम रहे हैं? और अब चुनाव करीब आते आते तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपना चिरपरिचित 'बेचारगी ' दिखाने वाला कार्ड भी खेलना शुरू कर दिया है। विधानसभा चुनाव के दौरान, दरभंगा में कांग्रेस के मंच से उनकी दिवंगत माँ के विरुद्ध किसी व्यक्ति के द्वारा बेहद अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। इसी बात को याद दिलाकर मोदी ने बिहार की एक सभा में भावुक होकर कहा कि ₹जो गालियां उनकी मां को दी गई हैं, असल में वो देश की हर मां का अपमान है। उन्होंने बार-बार इस अपमान का जिक्र किया और इसे चुनावी मुद्दा बनाते हुये वोट मांगे। इसी तरह मोदी पहले भी विभिन्न राज्यों में अपने अपमानों की पूरी सूची का ब्यौरा जनसभाओं में पेश करते रहे हैं। जैसे कब उन्हें 'मौत का सौदागर', बताया गया तो कब उन्हें 'नीच', 'हिटलर' या 'गंदी नाली का कीड़ा' 'चोर' या 'रावण' कहा गया। और यह अपमान की सूची गिनाने के साथ ही वे कहना नहीं भूलते कि जनता इन अपमानों का जवाब देगी।

उधर विपक्ष खासकर कांग्रेस के पास भी मोदी व अन्य भाजपा नेताओं द्वारा की गयी बदज़ुबानियों की लंबी सूची है परन्तु कांग्रेस कम से कम वोट भुनाने के लिये जनसभाओं में उन शब्दावलियों को नहीं दोहराती कि कब मोदी ने 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड कहा तो कब 'कांग्रेस की विधवा' जैसा अशोभनीय शब्द इस्तेमाल किया। न ही कांग्रेस कभी इंदिरा गाँधी व राजीव गाँधी की शहादत पर वोट मांगती है। न ही वोट की खातिर जनता को बार बार यह याद दिलाती है। परन्तु आज भी भाजपा की ओर से इसी तरह की अपमानजनक बातें की जा रही हैं। जैसे कि गत 30 अक्टूबर को ही इसी बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान लखीसराय की एक रैली में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ₹इतने गुस्से से बटन दबाना कि करंट 'इटली' तक पहुंचे₹ यही बात इसी अंदाज में अमित शाह पहले भी असम व छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों की चुनावी सभाओं में करते रहे हैं। गोया भाजपा के नेताओं के भाषणों में मुख्यतः नफरत ,विद्वेष, दूसरों को भयभीत करना जैसे यह (कांग्रेस) सत्ता में आये तो तुम्हारी भैंस खोल ले जायेंगे,तुम्हारा मंगलसूत्र लेकर बेच डालेंगे, दूसरे धर्म के लोगों की जनसँख्या बढ़ जाएगी जैसी बातें करते रहते हैं। परन्तु आश्चर्य तो तब होता है जबकि कभी मंच से ही अपना 56 इंच का सीना बताने वाले मोदी को 'बेचारगी' के नाम पर वोट की दरकार होती है। कहना गलत नहीं होगा कि बेचारगी के नाम पर वोट माँगना दरअसल मतदाताओं का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाकर उनसे भावनात्मक व बेचारगी भरी बातें कर उनसे वोट झटकने का एक अभिनयपूर्ण तरीका मात्र ही है इसके सिवा और कुछ भी नहीं।

सूखे नशे की गिरफ्त में दुनिया,भारत में नशे का आलम भयावह

संजीव ठाकुर

आज भारत एक ऐसे गंभीर दौर से गुजर रहा है जहां आर्थिक, तकनीकी और वैचारिक प्रगति के समानांतर एक सामाजिक महामारी जन्म ले रही है ड्रग्स की। नशे की यह घातक लत हमारे युवा वर्ग को धीरे-धीरे विनाश की ओर ढकेल रही है। यह केवल स्वास्थ्य या सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नैतिकता और भविष्य की चेतना से जुड़ा संकट बन चुकी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में ड्रग्स से संबंधित अपराधों में पिछले पाँच वर्षों की तुलना में लगभग 37% की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, नशे के प्रभाव में किए गए बलात्कार, लूट, हत्या और हिंसक अपराधों की दर में भी लगातार वृद्धि देखी गई है। देश के महानगर–मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, पंजाब, हैदराबाद, कोलकाता और चेन्नई–इन अपराधों के सबसे बड़े केंद्र बन चुके हैं। मुंबई पुलिस की नारकोटिक्स इकाई ने केवल पिछले एक वर्ष में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं, जिनमें कोकीन, चरस, अफीम, हेरोइन और एमडी ड्रग्स जैसी घातक वस्तुएं शामिल हैं। मुंबई, गोवा और गुजरात की समुद्री सीमाएं अब ड्रग्स तस्करी के प्रमुख मार्ग बन चुकी हैं, जहाँ पाकिस्तान और अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक का नेटवर्क सक्रिय है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (UNODC) की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया में ड्रग्स का लगभग 30% अवैध कारोबार भारत के रास्ते से होता है, जो न केवल हमारी युवा पीढ़ी के लिए खतरा है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पर भी चोट करता है। नशे का सबसे भयावह पहलू यह है कि यह व्यक्ति की चेतना, विवेक और संवेदना को नष्ट कर देता है। एक बार यह लत लगने पर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली बदल जाती है और व्यक्ति अपराध करने में हिचकिचाता नहीं। अपराधशास्त्री डॉ. अरविंद नायर के शब्दों में, ड्रग्स व्यक्ति से मनुष्यत्व छीन लेता है, और जब इंसान की संवेदना मर जाती है, तब समाज में अपराध जन्म लेता है। यही कारण है कि नशे में धुत अपराधियों द्वारा किए गए बलात्कार, हत्या, लूट और सड़क दुर्घटनाएं समाज के लिए एक स्थायी भय बन चुकी हैं।

दूसरी ओर, कॉलेजों और स्कूलों में भी ड्रग्स ने अपनी जड़ें जमानी शुरू कर दी हैं। किशोरों में ड्राइ ड्रग्स यानी सूखे नशे (MD, LSD, कोकीन पाउडर आदि) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से इन पदार्थों की बिक्री अब डिजिटल अपराध का नया रूप बन चुकी है। राष्ट्रीय युवा सर्वेक्षण 2024 के अनुसार, भारत में 15 से 24 वर्ष की आयु के लगभग 12% युवा किसी न किसी रूप में नशे के संपर्क में हैं, और इनमें से 70% को यह आदत कॉलेज परिसर या मित्र मंडली से मिली। यह आँकड़ा न केवल चिंताजनक बल्कि आने वाले सामाजिक विघटन की चेतावनी भी है। फिल्म उद्योग और ग्लैमर वर्ल्ड में भी ड्रग्स की पैठ ने समाज में एक खतरनाक आकर्षण पैदा किया है। सुशांत सिंह राजपूत प्रकरण के दौरान सामने आए मादक पदार्थ नेटवर्क ने पूरे देश को झकझोर दिया। इसने यह उजागर किया कि ड्रग्स की लत अब केवल समाज के निचले तबके तक सीमित नहीं, बल्कि उच्चवर्गीय समाज, कॉर्पोरेट पार्टियों, और आलीशान होटलों तक फैल चुकी है। वर्ष 2024 के नववर्ष की पूर्व संध्या पर केवल मुंबई और गोवा में लगभग 300 से अधिक ऐसी पार्टियों की पहचान पुलिस ने की, जहाँ सूखे नशे का सेवन किया जाना था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर इस विषय पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि नशा समाज का नहीं, संकल्प का शत्रु है। इससे लड़ाई केवल कानून से नहीं, जनजागरूकता से जीती जाएगी। वास्तव में, केवल पुलिस कार्रवाई या कानूनी सख्ती पर्याप्त नहीं है। समाज को इस बुराई के विरुद्ध सामूहिक चेतना के रूप में उठना होगा। नशे के विरुद्ध विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को जागरूकता की निरंतर पहल करनी होगी। ड्रग्स तस्करी अब एक अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध बन चुकी है। अफगानिस्तान के गोल्डन क्रीसेंट और म्यांमार-थाईलैंड के ह्यगोल्डन ट्रायंगल से होकर आने वाला मादक पदार्थों का नेटवर्क भारतीय सीमा तक फैला हुआ है। सीमा सुरक्षा बल और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो लगातार कार्रवाई कर रहे हैं, परंतु तस्कर अब डिजिटल मुद्रा, डार्क वेब और नकली व्यापारिक चैनलों के माध्यम से नये रास्ते बना रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नशे की आपूर्ति श्रृंखला को नष्ट नहीं किया गया, तो इसका असर भारत की उत्पादक शक्ति–यानी युवाओं–पर स्थायी चोट के समान होगा।

नशे का दूसरा भयानक आयाम ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में शराब और सस्ती दवाओं का दुरुपयोग है। गरीब वर्ग में यह लत आर्थिक, पारिवारिक और मानसिक विनाश का कारण बन रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 40% परिवार ऐसे हैं जहाँ नशे की वजह से घरेलू हिंसा और आर्थिक क्षति बढ़ी है। यह केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि मानव गरिमा और सामाजिक संतुलन का प्रश्न है। आज आवश्यकता है एक समन्वित राष्ट्रीय नीति की, जो ड्रग्स की रोकथाम, पुनर्वास और जनशिक्षा तीनों मोर्चों पर एक साथ काम करे। नशे के शिकार युवाओं के लिए पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए, स्कूल स्तर पर जीवन कौशल शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, और मीडिया में ऐसे अभियान चलाए जाएँ जो नशे को फैशन नहीं बल्कि विनाश के रूप में प्रस्तुत करें। महान साहित्यकार प्रेमचंद ने कहा था–युवक वही जो अपनी ऊर्जा समाज के निर्माण में लगाए, विनाश में नहीं। आज वही संदेश पुनः प्रासंगिक है।

निश्चित रूप से ड्रग्स का यह संकट केवल कानून का नहीं, बल्कि समाज की आत्मा का प्रश्न है। जब तक हर घर, हर विद्यालय, हर नागरिक यह संकल्प नहीं लेता कि नशे को अपने परिवेश से मिटाना है, तब तक यह लड़ाई अधूरी रहेगी। नशे के व्यापारियों को पहचानना, उन्हें कानून के शिकंजे में लाना और युवा चेतना को पुनः जाग्रत करना ही भारत के भविष्य की रक्षा का एकमात्र मार्ग है। नशा केवल शरीर को नहीं मारता–यह विवेक, मूल्य और भविष्य तीनों को नष्ट करता है। अतः अब समय है कि राष्ट्र समवेत स्वर में कहे–ड्रग्स मुक्त भारत ही सुरक्षित भारत है।

सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

-डॉ. सुधाकर आशावादी

देश में राष्ट्र के प्रति समर्पित संगठन के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। इतिहास साक्षी है कि राष्ट्र पर आने वाली किसी भी विपदा में संघ के कार्यकताओं ने बढ़ चढ़कर समस्या के समाधान हेतु स्वयं को समर्पित किया है। जहाँ तक संघ की विचारधारा का प्रश्न है, संघ में जातीय संकीर्णता लेशमात्र भी नहीं है। सामाजिक समरसता उसकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देती हैं। जहाँ संघ से सम्बंधित कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार का जातीय भेद नजर नहीं आता। बहरहाल कुछ राजनीतिक तत्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं।

वे ऐसा क्यों कर रहे हैं , यह बखूबी समझा जा सकता है। देश में जाति और धर्म के नाम विघटनकारी तत्वों की मंशा संघ कार्यकताओं के कारण पूरी नहीं हो पा रही है, तो अवश्य ही ऐसी शक्तियां राष्ट्र के प्रति समर्पित संघ का विरोध करने पर उतारू हैं। कहना गलत न होगा, कि एक समय सत्ता सुख भोग चुके अनेक वंशवादी नेता और परिवार अस्तित्व संकट से जूझ रहे हैं। जन विकास के मुद्दे उनके पास नहीं हैं। ऐसे में जातीय संकीर्णता, क्षेत्रवाद और धर्म आधारित विघटनकारी एजेंडा देश भर में चलाना उनकी मजबूरी है, सो कभी वह पिछड़ा कार्ड खेलते हैं, कभी दलित कार्ड। कभी जाति आधारित आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर ऐसे तत्व राष्ट्र के विकास को अवरुद्ध करने का प्रयास करते हैं तथा जातीय जनगणना की बात करके अपना जातीय वोट बैंक बनाने की कवायद करते हैं।

ऐसे तत्व यह समझते हैं कि आम आदमी को जातीय कार्ड खेलकर वैचारिक बंधुआ बनाया जा सकता है और जाति कार्ड खेलकर उनका मत एवं समर्थन प्राप्त किया जा सकता है। वे यह भूल जाते हैं, कि कोई भी जाति कभी भी किसी व्यक्ति या विचार की बंधुआ नहीं हो सकती। यदि जातियां पूरी तरह से बंधुआ होती, तो सभी राजनीतिक दलों में सभी जातियों के प्रतिनिधि न होते। जातीय गणना के सम्बन्ध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने स्पष्ट किया है कि संघ जाति आधारित जनगणना के विरुद्ध नहीं है, लेकिन जनगणना राजनीतिक रूप से प्रेरित नहीं होनी चाहिए। जातीय जनगणना का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक

लाहपुरा ग्राम विकास समिति की नई कार्यकारिणी गठित

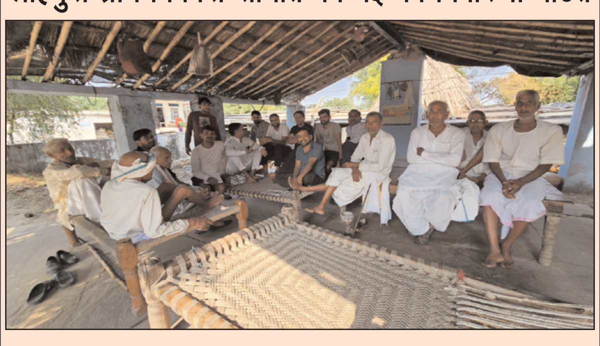

मुंबई(उत्तरशक्ति)। प्रेमदास बाबा ग्रामीण विकास समिति, लाहपुरा की ऑनलाइन बैठक रविवार, दि. 26 अक्टूबर 2025 को ब्रजलाल मीना और श्यामलाल मीना के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामवासी जूम मीटिंग के माध्यम से जुड़े और संगठन की गतिविधियों को लेकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। सभी ने भविष्य में भी इस प्रकार ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने का आश्वासन दिया।बैठक में कई विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई जिनमें प्रमुख विषय नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया रहा। इसके अलावा गांव के फोड़ की कोठी मार्ग से जुड़ी समस्या पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान अमर सिंह ने बताया कि वे लम्बे समय से इस समस्या के समाधान में जुटे हुए हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि 15 जून 2026 तक इस समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। उपस्थित सदस्यों ने उनकी इस बात का स्वागत किया।लम्बी चर्चा और सर्वसम्मति के बाद समिति की नई कार्यकारिणी का गठन इस प्रकार किया गया। अध्यक्ष हरकेश,उपाध्यक्षअमरसिंह व मुनेश,सचिव मंटूराम,कोषाध्यक्ष रामराज, उपसचिव भूरसिंह को बनाया गया है।

युवा शक्ति का उत्सव: सांसद खेल महोत्सव 2025 का शुभारंभ, डॉक्टर सावरा ने दी प्रेरणा

पालघर (उत्तरशक्ति)। फिट इंडिया, खेलो इंडिया अभियान के अंतर्गत आयोजित सांसद खेल महोत्सव 2025 का आज भव्य शुभारंभ आर्यन हाई स्कूल ग्राउंड, पालघर में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सावरा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ?खेल केवल शरीर को नहीं, बल्कि विचारों और समाज को भी सशक्त बनाते हैं।

इस महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में खेल प्रेम, स्वास्थ्य जागरूकता और टीम भावना को प्रोत्साहित करना है। देशभर से आए युवा प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्राउंड पर जोश, ऊर्जा और एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

डॉ. सावरा ने आगे कहा कि यह खेल महोत्सव केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा शक्ति के उत्सव का प्रतीक है – जहां हर खिलाड़ी ?खेल भावना? और ?एक स्वस्थ भारत? के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी नागरिक और विद्यालयों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महोत्सव के आगामी दिनों में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल और योग जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। युवाओं के उत्साह और एकता से भरे इस महोत्सव का संदेश स्पष्ट है – खेलो, बढ़ो और स्वस्थ भारत बनाओ।

स्नेहा दुबे पंडित ने मैथ्यू कॉलासो के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर पर दी बधाई

वसई (उत्तरशक्ति)। वाईएमसीए हॉल, मानिकपुर, वसई पश्चिम में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मैथ्यू कोलासो के जन्मदिन के अवसर पर एक अनूठी समाज सेवा पहल का क्रियान्वयन किया गया। भारतीय जनता पार्टी वसई विरार जिला और योर केयर के सहयोग से थैलेसीमिया रोगियों की सहायता के लिए एक भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस पहल में उपस्थित होकर अपनी सद्भावना व्यक्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह समाज सेवा पहल एक स्वस्थ और संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए एक प्रेरक आदर्श बन गई।

कार्यक्रम में उत्तम कुमार, भाजपा वसई विरार शहर जिला उद्योग अघाड़ी के जिला अध्यक्ष रितेश सत्यनाथ, भाजपा वसई विरार शहर जिला दक्षिण भारतीय अघाड़ी के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार, मुकुंद मुल्ये, गिरीश पाटिल, बाला सावंत, छोटू आनंद, राजू इसाई, आनंद पाटिल, थॉमस डाबरे, हरीश बेदी, ऋषि वोरानी, ?? मनोज चोटालिया, निखिल बाबर, श्रीमती संगीता महादिक के साथ-साथ बड़ी संख्या में नागरिक, डॉक्टर, नर्स, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य और संवेदनशीलता का संदेश पहुँचाने की इस पहल के लिए सभी आयोजकों को हार्दिक बधाई दिया।

पालघर में पुलिस भर्ती पूर्व मार्गदर्शन शिविर आयोजित

महाराष्ट्र पुलिस बॉयज संगठन का सराहनीय उपक्रम

पालघर(उत्तरशक्ति)। पुलिस सेवा में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए पालघर में महाराष्ट्र पुलिस बॉयज संगठन, जिला पालघर की ओर से पुलिस भर्ती पूर्व मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य युवाओं को पुलिस भर्ती प्रक्रिया के बारे में सही दिशा, जानकारी तथा प्रेरणा प्रदान करना था।

यह मार्गदर्शन शिविर पालघर (पूर्व) स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ग्राउंड, रेलवे स्टेशन के समीप आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में पालघर रेलवे पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन इंगवले उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित उम्मीदवारों को संबोधित करते हुए कहा कि चाहे पुलिस, मिलिट्री, नेवी या किसी भी सरकारी विभाग की भर्ती हो, सफलता के लिए लक्ष्य स्पष्ट होना, जिद्द एवं निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इंगवले ने उम्मीदवारों को शारीरिक तैयारी, अध्ययन पद्धति व भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शिविर में जिले के विभिन्न प्रशिक्षण अकादमियों के प्रशिक्षक, अनेक छात्र-छात्राएँ तथा महाराष्ट्र पुलिस बॉयज संगठन की पालघर जिला टीम के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। संगठन की जिला महिला उपाध्यक्ष, जिला सलाहकार व संघटक सदस्य भी इस अवसर पर मौजूद रहीं और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

इस आयोजन का नेतृत्व संगठन के संस्थापक अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र शासन गृह विभाग की पुलिस निराकरण समन्वय समिति के सदस्य राहुल दुबाले, मुंबई/पालघर जिला अध्यक्ष मनीष जायसवाल व जिला महासचिव मंगेश उईके ने किया।

शिव शिष्य परिचार के जनक साहेब श्री हरीन्द्रानन्दजी के अवतरय दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के खोणी गांव स्थित आई गांव देवी मंगल भवन कार्यालय पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शिव गुरु महोत्सव शिव शिष्यों द्वारा बडे हर्षोल्हास से मनाया । बतादें कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लोगो ने कार्यक्रम में बढचढ कर अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति गुरु भाई व भाजपा भिवडी शहर जिला सचिव बालमुकुंद शुक्ला की रही है वहीं ध्रुव मिश्रा. संदेश पाटील, रकिश तिवारी, अशोक मिश्रा आदि गुरु भाई उपस्थित थे। कार्यक्रम की अगुवाई गुरु भाई बुद्?धी सागर दुबे के मार्गदर्शन में सैकडो गुरु बहनों ने मिल कर साहेब श्री हरीन्द्रानन्द जी का बडे हर्षोल्लाश से अवतरण दिवस मनाया तो वही पर विशेष कार्यक्रम लोकगायक रोहित सिंह व उनकी टीम द्वारा आयोजित किया गया।

विधायक राजन नाइक ने विरार पूर्व के कारगिल नगर क्षेत्र का किया दौरा

विरार। नाला सोपारा के विधायक राजन नाइक ने विरार पूर्व के कारगिल नगर क्षेत्र का दौरा कर नागरिकों की समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ऐबाबा नगर, एकता नगर और जय जगन्नाथ नगर का भी भ्रमण किया तथा स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी परेशानियों को प्रत्यक्ष रूप से जाना। विधायक नाइक ने क्षेत्र में जारी विकास कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को शीघ्र गति से पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार और प्रशासन मिलकर क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

विद्रोही शुक्राचार्य का विमोचन एवं उत्कृष्ट परिचर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय अग्निशिखा मंच के तत्त्वावधान में 1 नवंबर 2025 को मुलुंड के आरपी मार्ग स्थित मुक्तेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में संजय दुबे के संयोजन में पवन तिवारी के बहु प्रतीक्षित उपन्यास विद्रोही शुक्राचार्य का न केवल सार्थक विमोचन हुआ बल्कि पुस्तक पर विस्तृत चर्चा भी हुई।

इस लोकार्पण और आयोजन की विशेषता यह रही कि इस उपन्यास के चरित्र एवं किसी न किसी रूप में पुस्तक में उल्लेखित व्यक्तित्त्व ही इस समारोह में मंचासीन थे। समारोह अध्यक्ष हरि वाणी, मुख्य अतिथि अलका पांडेय, विशेष अतिथि नन्दलाल क्षितिज,मुख्य वक्ता राम कुमार त्रिपाठी,वक्तागण रमाकांत ओझा, प्रज्वल वागदरी, पल्ल्वी रानी यह सभी गणमान्य इस उपन्यास के पात्रों में कहीं न कहीं उपस्थित हैं। विशिष्ट अतिथि और वक्ता द्वय गोपाल सिंह एवं दीपक कुमार त्रिपाठी जो जय हिंद अभियान के माध्यम से स्वतंत्रता के सम्मान हेतु समर्पित हैं. यह पुस्तक उन्हें ही समर्पित है। ऐसे में इस पुस्तक में सम्मिलित महानुभाव ही इसमें अतिथि थे। केवल विशेष अतिथि डॉ बाबू लाल सिंह एवं वक्ता राकेश मणि त्रिपाठी ही पुस्तक के बाहर के व्यक्तित्व थे।

सभी वक्ताओं एवं अतिथियों ने पुस्तक पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए विद्रोही शुक्राचार्य को कालजयी कृति होने का विश्वास व्यक्त किया। इस पुस्तक को पढ़कर कई पुस्तकें रची जा सकती हैं। शुक्राचार्य के पूरे जीवन को इस कृति में जिस तरह से प्रस्तुत किया गया है वह एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

सर्व प्रथम पल्लवी रानी के सरस्वती वंदना एवं अतिथियों द्वारा माँ शारदा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत पुस्तक का लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम का संचालन कुमार जैन ने किया। लेखकीय वक्तव्य में पवन तिवारी पुस्तक लेखन और शोध में लगे नौ वर्षों के अथक परिश्रम और उसमें भीषण व्यवधानों के उल्लेख करते हुए भावुक हो गये। क्योंकि इस पुस्तक लेखन ने उनके जीवन को 360 अंश घुमा दिया।

पुस्तक को लेकर लोगों में एक प्रबल जिज्ञासा थी। लोकार्पण के बाद लोगों ने 28 हजार रुपए की पुस्तकें खरीदी। श्रोताओं में सारे प्रबुद्ध एवं साहित्यकार थे। जिनमें सिंधवासिनी तिवारी, सत्यभामा सिंह, ओम प्रकाश तिवारी, नीरजा ठाकुर, कविता मानकर, शिल्पा सोनटक्के, प्रभात शर्मा, सूर्यकांत शुक्ला, रवि केडिया, श्रीधर मिश्र, राकेश त्रिपाठी,पंडित सुरेंद्र पाठक, नागेंद्र बहादुर सिंह, त्रिलोचन सिंह अरोड़ा, सुरेंद्र प्रसाद गाईं, अलका पांडेय अवधेश यदुवंशी, विनय सिंह विनम्र, विनोदानंद, डोमिनिक, पृथ्वीराज, मुन्ना यादव मयंक,रोमा झा, सुशील शुक्ला, पीयूष सिंह, रोमा झा,अर्पिता त्रिवेदी मीनाक्षी शर्मा कल्पेश यादव डॉ बाबूलाल सिंह रमाकांत ओझा विनोद आनंद आदि गणमान्य उपस्थित थे।

पालघर जिले में शिवसेना में बड़े पैमाने पर पक्षप्रवेश, सियासी हलचल तेज

पालघर(उत्तरशक्ति)। आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति व नगर परिषद चुनावों को देखते हुए पालघर जिले में शिवसेना में पक्षप्रवेश का सिलसिला लगातार जारी है। पिछले कुछ महीनों से रोजाना नए कार्यकर्ता और स्थानीय नेता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में आंबेसरी जिला परिषद गट के वरिष्ठ वकील व प्रतिष्ठित व्यक्तित्व एडवोकेट देवू नारले ने सैकड़ों भाजपा, उभाठा और कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकताओं के साथ शिवसेना में प्रवेश किया।

यह पक्षप्रवेश कार्यक्रम शिवसेना शिंदे गुट के पालघर जिला प्रमुख कुंदन संखे की उपस्थिती में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला प्रमुख संखे ने सभी नए कार्यकताओं का स्वागत करते हुए कहा कि शिवसेना अब आंबेसरी क्षेत्र में और अधिक मजबूत हुई है। आने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में शिवसेना का उमेदवार विजयी हो, इसके लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करेंगे, ऐसा संकल्प भी उपस्थित कार्यकताओं ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सहसंपर्क प्रमुख केदार काले, डहाणू विधानसभा क्षेत्र प्रमुख सुनील इभाड, पालघर के वरिष्ठ पूर्व नगरसेवक रवींद्र (बंड्या) म्हात्रे, उपतालुका प्रमुख नरेश राऊत, अशोक गांगड, तथा शहर प्रमुख राहुल घरत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक स्वराज्य तोरण के 17वें वर्षगांठ पर पत्रकारों को वितरण किया गया हेलमेट

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के कैलासनगर, वलपाडा स्थित दैनिक स्वराज्य तोरण कार्यालय के ऊपरी मंजिल पर स्वराज्य तोरण की 17वीं वर्षगांठ संपादक डा. किशोर बलीराम पाटिल की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया गया। बतादें कि इस अवसर पर डा. किशोर बलीराम पाटिल, वरिष्ठ पत्रकार अरुण मिश्रा, फकरे आलम, आचार्य सूरजपाल यादव, संतोष चव्हाण, डा. मणिलाल रतिलाल शिम्पी, मौलाना असद कासमी, अबूबकर, राजेंद्र कबाड़ी, अशोक पाटोले, कुसुमताई देशमुख, नीलम तिवारी, परवीन खान, मंजू गुप्ता, रेशमा अंसारी, सोमनाथ ठाकरे, अफसर खान, लवलेश सुतार, श्रीनिवास सिरीमल्ले, सुनील पांडे, संतोष सोनी, अरविंद जैसवार, भिवंडी महानगर पत्रकार संघ के अध्यक्ष संजय भोईर अपनी टीम के साथ व विभिन्न मीडिया के पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित थे। करीब 65 पत्रकारों को हेलमेट और मिठाइयां देकर स्वागत किया गया। दैनिक स्वराज तोरण पिछले 17 वर्षों से समाज में वास्तविक मुद्दों को हल करके लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन कर रहा है और जिम्मेदार पत्रकार होने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम में मराठी लाइव न्यूज की ओर से अपनी छठी वर्षगांठ के अवसर पर प्रेरणा पर्व 2025 पुरस्कार संपादक डा. किशोर पाटिल को उनके प्रतिनिधि डा. मणिलाल रतिलाल शिम्पी द्वारा सम्मानपूर्वक प्रदान किया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में डा. किशोर पाटिल ने कहा ?स्वराज तोरण केवल एक समाचार पत्र नहीं है बल्कि एक जन आंदोलन है जो लोकतंत्र, सच्चाई और ईमानदारी के लिए प्रयास करता है। पाठकों का विश्वास और पत्रकार भाइयों का सहयोग मेरी सबसे बड़ी सफलता है।

यदि आप कार्यक्रम में शामिल नहीं होते तो कार्यक्रम सफल नहीं होता, इसलिए वर्षगांठ के अवसर पर मैं अपने पत्रकारों को एक सामाजिक प्रतिबद्धता के रूप में कुछ उपहार दे रहा हूं। मैं पत्रकारों में कभी भेदभाव नहीं करता क्योंकि मैं सभी पत्रकारों को अपना भाई मानता हूं इसीलिए आप सभी जाति और धर्मों के पत्रकार यहां आते हैं। कार्यक्रम का सूत्र संचालन राजेंद्र पाटिल ने किया, वहीं आभार प्रदर्शन अफसर खान ने किया।

जिलाप्रमुख गोपाल लाडगे के हाथों शाखा कार्यालय का उद्घाटन

नीलेश देशमुख संभालेंगे म्हारल, वरप और कांबा, अनेकों कार्यकर्ता शिवसेना में प्रवेश

चेतन निर्मल संवाददाता

उल्हासनगर(उत्तरशक्ति)। शिवसेना में नई ऊर्जा का संचार करते हुए नीलेश देशमुख को म्हारल, वरप और कांबा शहर प्रमुख पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी अवसर पर म्हारल शहर में शिवसेना शाखा कार्यालय का भव्य उद्घाटन जिलाप्रमुख गोपाल लाडगे के हाथों संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता और नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिती रही, जबकि कई युवाओं ने मंच पर पार्टी में प्रवेश कर संगठन की ताकत बढ़ाई। इस मौके पर युवासेना जिलाप्रमुख जितेन पाटिल, महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी, उपजिलाप्रमुख दिलीप गायकवाड, सरपंच म्हात्रे, अजित डोंगरे, अरुण तांबे समेत अनेक मान्यवर उपस्थित थे। जिलाप्रमुख गोपाल लाडगे ने कहा कि पार्टी की जड़ें गांव-गांव तक मजबूत हैं और कार्यकताओं के उत्साह के दम पर आने वाले ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों में शिवसेना शानदार प्रदर्शन करेगी।

मासमा का दीपावली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मेटल स्टेनलेस स्टील मर्चेंट्स एसोसिएशन (मासमा) का प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीपावली नूतन वर्ष अभिनंदन एवं मासमा अवॉर्ड समारोह मुंबई स्थित माधव बाग सभागार में बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम मे पधारे सभी अतिथीगणो, का कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक एम.आर. पटेल परिवार एव उपस्थित सभी का मासमा अध्यक्ष चंदन भंशाली ने स्वागत करते हुए मासमा की ओर से सभी को दिपावली एंव नव वर्ष की शुभकामनाए देते सभी के जीवन मे मंगल हो ऐसी ईश्वर से प्रार्थना की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा विजया रहाटकर, अमित साटम, अध्यक्ष मुंबई भाजपा, प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने की। जालोर के पुर्व सासंद और समारोह के मुख्य प्रायोजक एम.आर. पटेल परिवार के कर्णधार देवजी पटेल, नरेश पटेल, रमेश पटेल ने कहा कि हमारे पिता एम.आर.पटेल ने सिखाया।

कार्यक्रम का सफल संचालन आर. जे. विधी जैन, मासमा सह सचिव अमृत संघवी ने किया। मासमा द्वारा आयोजित दिपावली स्नेहमिलन एंव ऐवोर्ड वितरण समारोह के मुख्य प्रायोजक डिवाइन ट्यूब प्राइवेट लिमिटेड और एम.आर. पटेल परिवार बनने कार्यक्रम शानदार, जानदार और यादगार के रुप मे ऐतिहासिक बन गया। कार्यक्रम मे पधारे सभी अतिथी गण का प्रवीण अंगारा ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के प्रायोजक एम.आर.पटेल परिवार का विशेष आभार व्यक्त किया। यह जानकारी मासमा मिडिया कन्वेयर मंगलचंद सेठ ने दी।

बेस्ट-पीएमआई साझेदारी में 122 नई इलेक्ट्रिक बसें मुंबईकरों की सेवा में शामिल

मुंबई। मुंबई को सतत सार्वजनिक परिवहन की दिशा में आगे बढ़ाते हुए, पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी की मुम्बादेवी मोबिलिटी ने बेस्ट (बीईएसटी) के सहयोग से शहर के लिए इलेक्ट्रिक बसों के दूसरे चरण की शुरूआत की है। बेस्ट कार्यालय, कोलाबा डिपो में आयोजित एक आधिकारिक समारोह में आज चार फुली इलेक्ट्रिक 12-मीटर बसों को महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के मुख्य आतिथ्य और माननीय उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई गई। यह पहल मुंबई में कुल 250 इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है। आज 122 नई बसों के बेड़े में शामिल होने से शहर के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को और मजबूती मिलेगी तथा स्वच्छ और ग्रीन मोबिलिटी की दिशा में बड़ा कदम बढ़ेगा। ओशिवारा-गोरेगांव डिपो को पूरी तरह से चार्जिंग के लिए तैयार किया गया है, जहां 15 उच्च क्षमता वाले चार्जर लगाए गए हैं, जिससे रातभर में प्रभावी चार्जिंग और बसों के सुचारू संचालन की सुविधा मिल सके।

बाबू शोभनाथ सिंह मेमोरियल ट्रस्ट का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

हुबली/मुंबई (उत्तरशक्ति)। कई प्रदेशों के हिंदी समर्थकों,कवियों को जोड़ने व हिन्दी भाषा के प्रति लोगों में अलख जगाने की दिशा में बाबू शोभनाथ सिंह मेमोरियल ट्रस्ट संस्थान अग्रसर है। गत दिवस को आनलाइन दीपावली कार्यक्रम हुबली कर्नाटक में मनभावन रहा। संस्थान की राष्ट्रीय सचिव सत्यभामा सिंह सहित समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम ने भारत के समस्त दर्शकों को आकर्षित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जौनपुर से वरिष्ठ साहित्यकार अधिवक्ता गिरीश कुमार श्रीवास्तव ने किया।मुख्य अतिथि के रूप में आनंद प्रकाश सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कामेश्वर कुमार,राष्ट्रीय अध्यक्ष संस्थापक शिवकुमार सिंह सभी प्रदेश अध्यक्ष सहित सचिव सत्यभामा सिंह उपस्थित थी। कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉ गीता विश्वकर्मा नेह ने किया।सरस्वती वंदना उपासना पांडे ने प्रस्तुत की। छत्तीस गढ़ से कविता जैन,निवेदिता वर्मा,संपत्ति चौरे उपस्थित थे।झारखंड इकाई की अध्यक्ष पुर्णिमा सुमन,कामेश्वर कुमार सिंह,सविता धर तथा अंत्रिका सिंह उपस्थित थी।नागपुर इकाई की अध्यक्ष शशि भार्गव,पूनम मिश्रा उपस्थित थी। दिल्ली इकाई अध्यक्ष मधु स्वामी,प्रमिला कौशिक आशा दिनकर आस,प्रेम टंडन तथा हुबली कर्नाटक से नागेश मौकाशी उपस्थित थे।कोलकाता प्रदेश अध्यक्ष डॉ उर्वशी के साथ हिमाद्री,अलोक चौधरी,चित्रा त्रिपाठी ने सुन्दर काव्य पाठ किया। प्रयागराज इकाई के सभी रचनाकारों ने शानदार काव्य पाठ किया। सुल्तान पुर इकाई से नीतू सिंह ने मार्मिक रचना सुनाई देश की शान , समस्या, दीपावली के महत्व जैसे अनेकानेक विषयों पर समस्त कवियों साथियों ने प्रकाश डाला।अध्यक्षीय उद्बोधन के बाद सचिव द्वारा आभार प्रदर्शित करके समापन की घोषणा की गई।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जौनपुर में वृद्ध की सोते समय गोली मारकर हत्या

अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज, बदमाशों को पकड़ने के लिए चार टीमों का गठन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कडेला गांव में एक वृद्ध की सोते समय

अपराधियों ने गोली मार कर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उधर पुलिस अधीक्षक ने घटना की खुलासा के लिए चार टीमों का गठन किया है।

बता दें कि कडेला गांव निवासी 70 वर्षीय मखन्नू वनबासी अपने पत्नी के साथ खेत में बन पाही पर सो रहा था, रात करीब 11:30 बजे अज्ञात बदमाश पहुंचे और सोते समय ही मखन्नू को गोली मार दिए और फरार हो गए।

गोली की आवाज सुनकर मृतक की महिला जाग गई, हालांकि उसने किसी को देख नहीं पाई और वह चिल्लाई लोग पहुंचे। सूचना पर पुलिस पहुंची और मखन्नू को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गये। जहां मखन्नू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मरचरी हाउस में रखवा दिया। उधर मौके पर सीओ थानाध्यक्ष पहुंचे, जहां घटना स्थल से दो कारतूस का खोखा बरामद हुआ है।

उधर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने घटना को गंभीरता से लेते हुए उसके खुलासे के लिए चार टीमों का गठन कर दिया है। घटना क्यों हुई है स्पष्ट नहीं हो सका। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

सरदार पटेल के सिद्धांतों को जीवन में लागू करना ही सच्ची श्रद्धांजलि: आरपी मौर्य

सरदार पटेल जयंती आयोजन समिति की ओर से समारोह का हुआ आयोजन

समिति ने क्षेत्र के 15 मेधावियों को किया सम्मानित

सुइथाकला, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ब्लॉक मुख्यालय स्थित श्रीमती समला देवी जन कल्याण इंटरमीडिएट कॉलेज रुधौली में रविवार को सरदार पटेल जयंती आयोजन समिति की ओर से सरदार वल्लभ भाई पटेल का जयंती समारोह आयोजित किया गया। जयंती पर उपस्थित लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए राष्ट्र निर्माण में किए गए योगदान को याद किया। लोगों ने उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। समारोह में सर्वोच्च अंक प्राप्त, पुलिस मेडिकल एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित 15 मेधावियों को मेडल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर-के सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक डॉ.आरपी मौर्य ने लौहपुरुष के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि अखंड भारत के निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग टुकड़ों में विभाजित रियासतों को एकीकृत करके सरदार पटेल ने सशक्त भारत का निर्माण किया। सरदार पटेल के सिद्धांतों को अपने जीवन में लागू करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्य वक्ता नीरज पटेल ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और सरदार वल्लभ भाई पटेल को एक दूसरे का पूरक बताया। उन्होंने कहा कि वह बाबा साहब का हमेशा साथ देते थे। दोनों महापुरुष एक सिक्के के दो पहलू हैं। वह सचमुच राष्ट्र निमार्ता हैं। विशिष्ट अतिथि प्रदेश सरकार के पूर्व ऊर्जा एवं नियोजन राज्य मंत्री शैलेंद्र यादव

ललई ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल का अद्वितीय योगदान रहा। बताया कि वर्तमान केंद्र और प्रदेश सरकार संविधान विरोधी है। सरदार पटेल के सपनों का भारत तभी बनेगा जब दलित, पिछड़े और शोषित, वंचित समाज के लोग शिक्षित होकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगे।

पूर्व सदस्य जिला पंचायत एवं संरक्षक जितेंद्र वर्मा बाजीगर ने कहा कि वर्तमान सरकार एक समान शिक्षा के अधिकार से गरीबों को वंचित कर रही है। उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी की समस्या पर सवाल उठाया। संयोजक इंजी. धर्मेंद्र वर्मा ने अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और सहयोगियों के प्रति कार्यक्रम को सकुशल संपन्न करने में बढ़-चढ़कर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। रामानंद निषाद, त्रिभुवन यादव, जयदीप पटेल, राहुल पटेल, कृष्णा पटेल, जय नाथ वर्मा आदि लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किया। अध्यक्षता उदय राज यादव और संचालन विनय कुमार वर्मा ने किया। इस मौके पर हरिराम वर्मा, राम सकल बिंद प्रधान, संतोष यादव पिंटू प्रधान प्रतिनिधि, बलदेव पाल, विंदे वर्मा, इंद्रभान वर्मा, सुरेश वर्मा, आनंद स्वरूप यादव, अमरजीत वर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी सात नवंबर को आएंगे वाराणसी, तीन वंदेभारत ट्रेनों की देंगे सौगात

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात नवंबर को दो दिवसीय दौरे पर

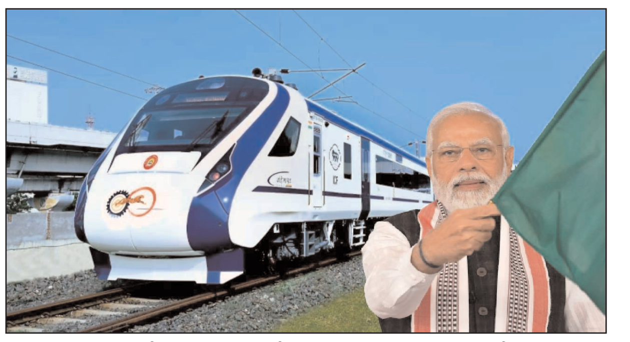

वाराणसी आएंगे। वह अपने संसदीय क्षेत्र से तीन वंदेभारत ट्रेनों की सौगात देंगे। बरेका स्थित गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद आठ नवंबर की सुबह वह दरभंगा में चुनावी जनसभा को संबोधित करने के लिए रवाना होंगे। पीएमओ ने शनिवार को उनके आगमन और प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी जिला प्रशासन को भेज दी है।

प्राथमिक सूचना के मुताबिक प्रधानमंत्री बिहार में जनसभा को संबोधित करने के बाद शाम करीब पांच बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पर आएंगे। जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी उनकी अगवानी करेंगे। इसके बाद वह सेना के हेलीकॉप्टर से बरेका स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे। यहां अल्प विश्राम के बाद शाम तकरीबन साढ़े सात बजे बनारस स्टेशन पहुंचेंगे और बनारस से खजुराहो के बीच चलने वाली वंदेभारत को रवाना करेंगे।

वहीं, फिरोजपुर से दिल्ली और लखनऊ से सहारनपुर के बीच चलने वाली दो अन्य ट्रेनों का भी वर्चुअल शुभारम्भ करेंगे। इस मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार के भी शामिल होने की संभावना है। डीएम सत्येंद्र कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रस्तावित दो दिवसीय दौरे में वंदेभारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। रात्रिप्रवास के बाद वह अगले दिन सुबह बिहार के लिए रवाना होंगे।

एण्टीरोमियों टीम ने 2 शोहदों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष खुटहन के नेतृत्व में थाना खुटहन एण्टीरोमियों पुलिस टीम द्वारा लड़कियों को अश्लील इशारे करने वाले, अश्लील गाना गाने वाले तथा कमेण्ट करने वाले 02 मनचलों/शोहदों को अन्तर्गत धारा-296 बीएनएस में गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार आरोपी का विवरण आनन्द राज निषाद पुत्र सन्तराज निषाद निवासी ग्राम पिलकिछा बियसिया थाना खुटहन जौनपुर। पंजीकृत अभियोग, मु.अ.सं.-328/2025 धारा 296 बीएनएस थाना खुटहन जनपद जौनपुर। गिरफ्तार आरोपी का विवरण ,कृपान्शु यादव पुत्र अनन्त यादव निवासी ग्राम गभीरन मैरवां थाना खुटहन जनपद जौनपुर। पंजीकृत अभियोग, मु.अ.सं.-329/2025 धारा-296 बीएनएस थाना खुटहन जनपद जौनपुर।

बरेली में मामा ने मारा डंडा तो भांजे ने हसिया से वार कर उतार दिया मौत के घाट, आरोपी हिरासत में

बरेली (उत्तरशक्ति)। देवरनिया थाना क्षेत्र में बहन की जलकर हुई मौत से नाराज होकर मामा ने भांजे को गुस्से में एक डंडा मार दिया। मामा के डंडा मारने से आग बबूला हुए भांजे ने अपने मामा की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मोतीराम की हत्या के मामले में आरोपी को हिरासत में लिया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है।

सोमपाल ने अपनी बाइक में आग लगाई थी। बरेली के देवरनिया थाना क्षेत्र के शाहाबाद मोहल्ले में रहने वाली 60 वर्षीय सुशीला अपने बेटे सोमपाल के साथ अपने मायके में एक अलग मकान में ही पिछले कई महीनों से रह रही थी। देवरनिया थाने के प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि 26 अक्टूबर को शराब के नशे में सुशीला के बेटे सोमपाल ने अपनी बाइक में आग लगा दी, उस आग को बुझाने के दौरान सुशीला आग की चपेट में आ गयीं और गंभीर रूप से झुलस गईं। इलाज के दौरान शनिवार देर शाम सुशीला की मौत हो गई।

सुशीला की मौत के बाद जब उसका बेटा सोमपाल लाश को लेकर घर पहुंचा। सुशीला के भाई मोतीराम और कधी राम भी वहां पहुंच गए। कहा जा रहा है कि सुशीला देवी के छोटे भाई मोतीराम ने भांजे सोमपाल को डंडे सा मारा और उसकी मौत का जिम्मेदार ठहरा दिया। इससे नाराज भांजे सोमपाल ने धारदार हथियार से हमला कर मामा मोतीराम की हत्या कर दी।

मामा मोतीराम से भांजे सोमपाल की हुई बहसः पुलिस अधीक्षक उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि मामा मोतीराम की हत्या के आरोपी सोमपाल को हिरासत में लिया गया है। उसकी मां दुर्घटनावश जल गई थी। इलाज के दौरान 7 दिन बाद शनिवार को उसकी मौत हो गई, उसके दो मामा देखने के लिए घर पहुंचे थे। छोटे मामा मोतीराम से भांजे सोमपाल की कहासुनी हो गई। छोटे मामा ने अपने भांजे सोमपाल के साथ गाली-गलौज की और डंडा मारकर बहन की मौत का जिम्मेदार ठहरा दिया। नाराज होकर भांजे ने हसिया से वार करके अपने मामा मोतीराम की हत्या कर दी, दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

रिनिएबल ऊर्जा अध्ययन केंद्र में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु काउंसलिंग 6 नवम्बर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित नवीन ऊर्जा केंद्र के अन्तर्गत उन्नत पदार्थ विश्लेषण एवं उपकरण तकनीक पर आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग दिनांक 06 नवम्बर 2025 को आयोजित किया जाएगा। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी उक्त तिथि को नवीन ऊर्जा केंद्र के अध्यक्ष एवं प्रो. राजेन्द्र सिंह (राज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान से सम्पर्क कर उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। विभागाध्यक्ष का मोबाइल नंबर, पाठ्यक्रम से संबंधित शुल्क विवरण तथा परामर्श सत्र (प्रत्यक्ष उपस्थिति) हेतु दिशा-निर्देश वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मौत से पहले अपने ही खून से दीवार पर लिख गया बी2

बी2 लिख कर मृतक सूरज छोड़ गया अपने कत्ल की गवाही, मौत बनी रहस्य

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के वाराणसी मलदहिया स्थित माय टेबल लाउंज बार की पांचवीं मंजिल से ट्रांसपोर्ट व्यवसायी सूरज सिंह (30) की संदिग्ध मौत ने सनसनी फैला दी है। दीवार पर खून से लिखा बी2 अब रहस्य बना हुआ है। क्या यह उनकी आखिरी गवाही थी या हत्या का सुराग परिजनों ने क्लब के बाउंसरों पर पीटकर धक्का देने का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस सीसीटीवी फुटेज और फोरेंसिक साक्ष्य खंगाल रही है। यह मामला एक बार फिर वाराणसी के क्लब कल्चर और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

वोट लोकतन्त्र की बुनियाद: कमलेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकला ब्लॉक के बबरखा गाँव में में गोष्ठी का आयोजन कर-के लोगों को वोट के महत्व के बारे में बताया गया। इस मौके पर समाजसेवी कमलेश यादव ने कहा कि संविधान देश के हर एक नागरिक को वोट का अधिकार देता है। वोट ही वो माध्यम है जिसके द्वारा लोग अपने विचार,जरूरतों और प्राथमिकताओं को व्यक्त करते हैं। वो के माध्यम से ही हम राजनीति में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को बताया कि यदि संविधान न होता, तो हमें न अधिकार मिलता और न ही वोट देने का हक मिलता। संविधान और वोट का अधिकार एक दूसरे के पूरक है और लोकतन्त्र की बुनियाद है, वोट के द्वारा हम देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी करते है। हम सबको वोट बहुत

सोच समझकर योग्य प्रत्याशी को ही अपना मत देना चाहिये। वोट सिर्फ.एक अधिकार नही, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है जिसे हम सबको पूरी ईमानदारी से करना चाहिये। वोट के द्वारा ही हम अपने समाज, देश और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत और सकारात्मक बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाते है।

मीटिंग में राकेश यादव, अनिल, दीप, संजय, कुमार, जमुना प्रसाद यादव(प्रधान), राधेश्याम, समरनाथ (प्रधान), कपिल देव, डॉक्टर सुबास यादव, डॉक्टर जियालाल, सतीश यादव, रामअजोर, चन्द्र प्रकाश, राजनाथ, अभिमन्यु, वीरेंद्र यादव, आशीष कुमार, रमेश कुमार, अरुण कुमार, जोगेंद्र, अभिलाष, अनुराग, विपिन, वैभव, सभाजीत आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

श्री राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन का जयन्ती महोत्सव 9 को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्री राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन का जयन्ती महोत्सव आगामी 9 नवम्बर दिन रविवार को सुनिश्चित किया गया है जिसके बाबत पूरे नगर में भव्य शोभायात्रा भी निकाली जायेगी। यह आयोजन जौनपुर जायसवाल समाज सेवा समिति जौनपुर के बैनर तले होगा। इस आशय की जानकारी समिति के महामंत्री सुरेन्द्र जायसवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। वहीं कार्यक्रम संयोजक आशुतोष जायसवाल ने बताया कि उपरोक्त

तिथि को प्रातः 11 बजे सभी स्वजातीय बन्धु भण्डारी रेलवे स्टेशन के पास स्थित राज कालेज के मैदान पर एकत्रित होंगे। वहां से निकली शोभायात्रा सुतहट्टी बाजार, सब्जी मण्डी, कोतवाली, चहारसू, ओलन्दगंज चौराहा होते हुये जोगियापुर, शेषपुर के बाद मियांपुर में स्थित मंगलम लॉन में पहुंचकर समाप्त होगी। इसी क्रम में समिति के जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल पूविवि ने जनपद के समस्त स्वजातीय बन्धुओं से उक्त अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महोत्सव को सफल बनाने की अपील किया है।

शिवपुर थाना क्षेत्र के परमानंदपुर गांव के विकास इंटरमीडिएट कालेज में साइबर फ्रॉड जागरूकता अभियान

मिशन शक्ति 5.0

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के परमानंदपुर में 1 नवंबर उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत शिवपुर थाना क्षेत्र के परमानंदपुर गांव स्थित विकास इंटरमीडिएट कालेज में गुरुवार को साइबर फ्रॉड के

खिलाफ एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं, बालिकाओं और छात्रों को डिजिटल दुनिया के खतरे से अवगत कराना तथा उन्हें सशक्त बनाना था।

शिवपुर थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार सोनकर के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में मिशन शक्ति टीम ने कालेज के सभागार में लगभग 5000 हजार से अधिक छात्राओं, शिक्षिकाओं और ग्रामीण महिलाओं को संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें थाना क्षेत्र की महिला बीट अधिकारी उप निरक्षक प्रतिभा शाही, उप निरक्षक प्रतिमा कुशवाहा, उप निरक्षक जग नारायण, उप निरक्षक अशोक कुमार सिंह, उप निरक्षक पवन जयसवाल और शिवपुर थाना की पुलिस टीम ने मिशन शक्ति के पांच चरणों–सुरक्षा, सम्मान, सशक्तिकरण, संवाद और संकल्प–के बारे में विस्तार से बताया। साइबर फ्रॉड पर विशेष फोकस करते हुए, साइबर सेल के विशेषज्ञों ने उपस्थितजनों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रकार जैसे फिशिंग, फर्जी लोन ऐप्स, यूपीआई स्कैम और सोशल मीडिया पर होने वाले साइबर अपराधों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश में साइबर फ्रॉड के मामले 30% से अधिक बढ़े हैं, और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी ही इसका प्रमुख कारण है। विशेषज्ञों ने सलाह दी कि कोई भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी कभी शेयर न करें और संदिग्ध कॉल आने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को इंटरैक्टिव सेशन के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। एक छोटा नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें साइबर फ्रॉड का शिकार होने वाली एक महिला की कहानी दिखाई गई, जिससे उपस्थित सभी प्रभावित हुए। इसके अलावा, मिशन शक्ति की विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे 'वन स्टॉप सेंटर', 'महिला हेल्पलाइन 181' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के बारे में भी जानकारी दी गई।विकास इंटरमीडिएट कालेज के प्रबंधक डॉ.अशोक पटेल ने कहा, ₹यह अभियान हमारे कालेज के छात्र, छात्राओं और गांव की बेटियों के लिए वरदान साबित होगा। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा का ज्ञान हर महिला को होना चाहिए।₹ वहीं, एक छात्रा ने बताया, आज हमें पता चला कि ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर कैसे ठगे जाते हैं। अब हम लोग सतर्क रहेंगी। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के सभी थाना क्षेत्रों में चलाया जा रहा है, जो अक्टूबर 2025 से शुरू हो चुका है। इस अभियान का लक्ष्य 9 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंचना है, जिसमें साइबर सुरक्षा को प्रमुखता दी गई है। शिवपुर थाना ने घोषणा की कि आने वाले दिनों में गांव-गांव में इसी तरह के भ्रमण और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। यह अभियान न केवल महिलाओं को सशक्त बना रहा है, बल्कि समुदाय में पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास भी बढ़ा रहा है। अधिक जानकारी के लिए स्थानीय थाने या हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

जफराबाद पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के दौरान 3 मनचले को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष जफराबाद के नेतृत्व में थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा लड़कियों को अश्लील इशारे करने वाले, अश्लील गाना गाने वाले तथा कमेण्ट करने वाले कुल 03 मनचलों/शोहदों को अन्तर्गत धारा 296 बीएनएस में गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार आरोपी, पप्पू यादव पुत्र बांकेलाल यादव नि0 काजीअहमदनूर थाना जफराबाद जौनपुर। आपराधिक इतिहास, मु0अ0सं0 251/25 धारा 296 बीएनएस थाना जफराबाद जौनपुर। गिरफ्तार आरोपी, सुनील यादव पुत्र सुरेन्द्रनाथ यादव नि0 तरियारी थाना केराकत जनपद जौनपुर। आपराधिक इतिहास, मुअ0सं0 252/25 धारा 296 बीएनएस थाना जफराबाद जौनपुर। गिरफ्तार आरोपी राजन चौहान S/O जय गोविन्द चौहान R/O मलक बहादुरपुर अहमदपुर थाना जफराबाद जौनपुर। आपराधिक इतिहास मुअ0सं0 253/25 धारा 296 बीएनएस थाना जफराबाद जौनपुर।

मारपीट में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के ताला मझवारा गांव में 24 अक्टूबर को हुई मारपीट की घटना में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद से गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना के अनुसार पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही अवनीश पाण्डेय उर्फ नीरज पुत्र स्वर्गीय शेषमन पाण्डेय और उनके पुत्र अंश पाण्डेय ने रॉड व डंडे से हमला कर 45 वर्षीय राजकुमार पाण्डेय व उनकी बेटी रितिका पाण्डेय को बुरी तरह पीट दिया था। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

हमले में गंभीर रूप से घायल राजकुमार पाण्डेय को वाराणसी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वे कोमा में चले गए थे। रविवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया तो परिवार में कोहराम मच गया। एहतियात के तौर पर थानाध्यक्ष गजानन्द चौबे पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।

मृतक राजकुमार पाण्डेय अपने पीछे पत्नी मंजू देवी के साथ चार बच्चों दो बेटियां रितिका (16), रिया (18) और दो बेटे ओम (14), अभय (12) को छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

थानाध्यक्ष गजानन्द चौबे ने बताया कि इस मामले में पहले से ही आरोपित अवनीश पाण्डेय और अंश पाण्डेय के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। अब मृत्यु होने के बाद मुकदमे की धाराओं में आवश्यक संशोधन किया जा रहा है।

तेजीबाजार एण्टीरोमियो टीम ने मिशन शक्ति अभियान के दौरान 2 मनचले को पकड़ा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष तेजीबाजार के नेतृत्व में थाना तेजीबाजार द्वारा मिशन शक्ति फेज-5.0 एन्टीरोमियो टीम द्वारा दिनांक-01.11.2025 को स्कूल जाने आने वाली बालिकाओं पर अश्लील शब्दों का प्रयोग व इशारा

करके गाना गाने व महिलाओ पर छींटाकसी करने वाले आरोपियों को जयहिन्द इण्टर कालेज के पास अंश कुमार बिन्द पुत्र सुबाष बिन्द निवासी ग्राम दाऊदपुर थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर व महादेव पब्लिक स्कूल के पास से विकाश शर्मा पुत्र लालजी शर्मा नि0ग्राम चोरहा थाना तेजीबाजार जौनपुर को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

भाजपा ने किया जिला प्रवासियों की घोषणा

अजीत प्रजापति को सुल्तानपुर डॉ.शीताशरण त्रिपाठी को जौनपुर की जिम्मेदारी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा ने काशी क्षेत्र के सभी जिलों में मंडल गठन के लिए जिला प्रवासियों की घोषणा की। क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल द्वारा जारी सूची में विभिन्न जिलों के लिए प्रवासियों का चयन किया गया है। इसमें भाजपा ने रविवार को काशी क्षेत्र के सभी जिलों में मंडल गठन के लिए जिला प्रवासियों की घोषणा कर दी। क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने पूर्व जिला अध्यक्ष सुशील उपाध्याय जौनपुर को वाराणसी महानगर, पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील सिंह गाजीपुर को वाराणसी जिला, ओमकार केसरी पूर्व क्षेत्र उपाध्यक्ष को चंदौली जिला, राणा प्रताप सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष चंदौली को गाजीपुर जिला ,धर्मवीर तिवारी पूर्व जिला अध्यक्ष सोनभद्र को मिजार्पुर जिला, राम

विलास पाल पूर्व जिला अध्यक्ष मछली शहर को भदोही जिला, रमेश दुबे पूर्व जिला महामंत्री मिजार्पुर को सोनभद्र जनपद, डॉक्टर सीता शरण त्रिपाठी पूर्व जिला अध्यक्ष सुल्तानपुर को जौनपुर जिला, विद्यासागर राय पूर्व महानगर अध्यक्ष वाराणसी को मछली शहर, पूर्व सदस्य माटी कला बोर्ड अजीत प्रजापति को सुल्तानपुर जिला, डॉक्टर आर ए वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष सुल्तानपुर को अमेठी जिला, विनोद प्रजापति पूर्व जिला अध्यक्ष यमुनापार को प्रयागराज महानगर, श्रीमती कविता पटेल पूर्व जिला अध्यक्ष गंगापार को यमुना पार, हौसिला पाठक पूर्व जिला अध्यक्ष भदोही को गंगापार, राजेंद्र मिश्र पूर्व जिला अध्यक्ष प्रयागराज महानगर को प्रतापगढ़ जिला, हरिओम मिश्रा पूर्व जिला अध्यक्ष प्रतापगढ़ को कौशांबी जनपद की जिम्मेदारी सौंप गई है।

तालाब की जिन्दा मछलियों को गोमती नदी में किया गया प्रवाहित

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम तेजपुर धाधिया निवासी मनीष वर्मा ने रविवार को अपने बड़े भाई के स्वास्थ्य लाभ की खुशी में अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने निजी तालाब की आधे से अधिक जीवित मछलियों को गोमती नदी में प्रवाहित कर दिया। जानकारी के अनुसार मनीष के बड़े भाई रमेश वर्मा बीते 22 सितंबर को निमोनिया की गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गए थे। परिजनों ने पहले स्थानीय अस्पतालों में उनका उपचार कराया लेकिन स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें पुणे स्थित के ई एम हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया। वहाँ वरिष्ठ चिकित्सक डा. मुदशीर शेख के अथक प्रयासों से उनकी जान बचाई जा सकी।

भाई के सकुशल घर लौटने पर मनीष वर्मा ने रविवार को पूर्वाह्न लगभग 11 बजे कुसराना जोखुवाने घाट पर पहुँचकर अपने तालाब की मछलियों को गोमती नदी में प्रवाहित किया। यह दृश्य देखकर उपस्थित लोगों ने मनीष के इस भावपूर्ण कदम की सराहना किया। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि मनीष ने भाई के स्वस्थ होने पर धार्मिक और मानवीय संवेदना का अनूठा संदेश दिया है जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।

शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर एसडीपीओ हथियार करा रहे थानों में जमा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र में शांतिपूर्ण व भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने के लिए सीवान के एसपी मनोज तिवारी के आदेश और महाराजगंज के एसडीपीओ अमन कुमार के निर्देश पर अनुमंडल क्षेत्र की सभी थानों की पुलिस की ओर से थानावार हथियार जमा कराये जा रहे हैं। इस क्रम में थानावार हथियारों का सत्यापन भी किया जा रहा है। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से थाना क्षेत्र में लाइसेंसी हथियार जमा करने के लिए थाने में लोगों का हथियार जमा हो रहा है।एसडीपीओ अमन कुमार ने बताया अनुमंडल क्षेत्र के सभी सभी थानों के लगभग 70 फीसदी लोगों ने अपना लाइसेंसी हथियार थाने में अब तक जमा करा दिया है । आग्नेयास्त्र जमा करने वालों में राइफल, दोनाली, एक नाली बंदूक और पिस्तौल शामिल है। एसडीपीओ ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में यह कार्रवाई जारी है। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद सत्यापन उपरांत इन्हें वापस कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोग के आदेशानुसार जिन लोगों के पास वैध शस्त्र लाइसेंस है, उन्हें अस्थायी रूप से अपने हथियार थाने में जमा कराना अनिवार्य किया गया है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का द्विवार्षिक अधिवेशन आज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का द्विवार्षिक अधिवेशन आज प्रकाश हिंदी भवन में बड़े धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन की अध्यक्षता राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जौनपुर के अध्यक्ष उपेन्द्र प्रताप सिंह करेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र उपस्थित रहेंगे, जबकि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह और बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश रावत, महामंत्री अतुल मिश्रा, उप महामंत्री आनंद मिश्रा तथा विधिक सलाहकार ऋषभ तिवारी की उपस्थिति में अधिवेशन के साथ-साथ परिषद के चुनाव की प्रक्रिया भी संपादित की जाएगी। अध्यक्ष उपेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिषद का यह अधिवेशन कर्मचारियों की एकता, अधिकारों और संगठन की मजबूती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा।

वाराणसी: लोहता में वाहन की टक्कर से टीवीएस सवार दो लोगों की मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। लोहता थाना क्षेत्र के खेवशीपुर गांव के सामने रिंगरोड फेज2 पर बीती की रात में एक बजे किसी वाहन के टक्कर से टीवीएस एक्सल सवार दो लोगों की मौत हो गई। बताते हैं कि पहले एक की मौके पर ही मौत हो गई फिर दूसरे घायल व्यक्ति ने अस्पताल जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जंसा थाना क्षेत्र के भडाव गांव के सहती यादव (52) तथा रामविलास गुप्ता (40) टीवीएस एक्सल से अकेलवा से लोहरापुर जा रहे थे। रिंग रोड पर किसी वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में रामविलास गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने सहती यादव को दिनदयाल हास्पिटल के लिए भेजा जा रहा था कि रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी राजबहादुर मौर्य ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वाहन के बारे में पता लगाया जा रहा है कि कैसे यह हादसा हुआ है।

बारातियों पर हमला कर छीना चेन और मोबाइल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइनबाजार क्षेत्र के सैदनपुर गांव में बारात में गए युवकों को मनबढ़ों ने मारपीट कर घायल कर दिया इसके अलावा एक युवक का सोने की चैन तथा एक कि मोबाइल भी छीन कर चले गए।

घायलों का उपचार जिला चिकित्सालय में चल रहा है। जलालपुर के बीबनमऊ गांव निवासी ज्ञानदास मौर्य के पड़ोस से बारात ऊक्त क्षेत्र के सैदनपुर गांव के रमेश चन्द्र मौर्य के घर गयी थी। वहां पर गोलू पुत्र सुनील सोनकर निवासी सैदनपुर प्रियांशु पुत्र ज्ञानदास मौर्य के गले से चैन छीन लिया और भाग गया। उसके बाद ऊक्त गांव के ही सुनील सोनकर पुत्र लल्लन, बबलू सोनकर पुत्र कल्लन, सचिन पुत्र भैयालाल, मनोज उर्फ लोदर बिन्द पुत्र शंकर लोहे का पंच ,लाठी डंडा, लेकर आये और हमला कर दिया। हमला में प्रियांशु मौर्य पुत्र ज्ञानदास मौर्य, विशाल व दीपक पुत्रगण भगवान दास, प्रदीप पुत्र सूर्यबली, विशाल पुत्र हरिलाल निवासी बीबनमऊ को मारपीट कर घायल कर दिया। सभी को उपचार के लिए ले जाया गया। ज्ञानदास की तहरीर पर पुलिस ने पांचों आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया। आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है।

श्रीराम सुपर बीज से लखीसराय में गेहूं की खेती में क्रांति

लखीसराय (उत्तरशक्ति)। किसानों ने इस साल गेहूं की बुवाई में एक नई सफलता हासिल की है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और श्रीराम सुपर 303 किस्मों से किसानों ने उच्च उपज और बेहतर गुणवत्ता का अनुभव किया। अनुभवी किसान रामजी पासवान ने बताया, इस साल मैंने अपने खेत में सुपर 5-एसआर-05 की बुवाई की। फसल का तना बेहद मजबूत है, बालियां लंबी और दाने पूरी तरह भरे हुए हैं। विपरीत मौसम में भी उपज स्थिर रही और मुझे लगभग 20-22 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन मिला। मंडी में उच्च भाव मिलने से मुझे अतिरिक्त 5000-6000 रुपये प्रति एकड़ लाभ हुआ। प्रत्येक बाली में 80-85 दाने होने से उत्पादन में स्पष्ट वृद्धि हुई। लंबी बालियों और अधिक कल्लों की वजह से फसल मजबूत और गिरने से सुरक्षित रही। रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण फसल सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाली बनी रही। विपरीत मौसम में भी स्थिर उपज से किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के भाग के रूप में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स का बीज वैज्ञानिक रूप से परीक्षण और प्रमाणित है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के प्रतिनिधि ने कहा, हमारा उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और उन्हें हर मौसम में भरोसेमंद उपज देना है। सुपर 5-एसआर-05 और 303 किस्मों ने इस क्षेत्र में अपनी विश्वसनीयता साबित कर दी है। लखीसराय के किसान इस साल भी अपने खेत में सिर्फ श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 303 बीज ही लगाएंगे और स्थानीय कृषि मंडियों में बेहतर मूल्य प्राप्त करने की उम्मीद कर रहे हैं।

मतदान केंद्रों पर मोबाइल हैंगर में रखी जाएगी: अनीता सिन्हा

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार विधान सभा चुनाव में इस बार न शिक्षिकाओं को भी अपनी जिम्मेवारी अलग तरीके से तय करने का मौका चुनाव आयोग की ओर से मिला है। महाराजगंज अनुमंडल की निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीएम अनीता सुमन द्वारा कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर मतदान केंद्रों पर शिक्षकाओं की ड्यूटी और जिम्मेदारी तय की गई। निर्देश दिया गया कि मतदान केंद्रों पर आने वाले कर्मियों के मोबाइल हैंगर में रखे जाएंगे, ताकि मतदान कार्य में किसी तरह का व्यवधान न हो. इसके लिए शिक्षिकाओं को जिम्मेदारी दी गई है। एआरओ ने बताया कि मतदान के दौरान वेब कास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी,

जिसके लिए र प्रत्येक केंद्र पर शिक्षिकाओं की मौजूदगी में सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षिकाए अपने अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगी। एसडीएम ने कहा कि मतदान कार्य के दौरान अनुशासन, गोपनीयता और निष्पक्षता बनाए रखना सबसे जरूरी है। शिक्षिकाओं की उपस्थिति से मतदान प्रक्रिया और भी पारदर्शी बनेगी। उन्होंने सभी कर्मियों को समय पर केंद्रों पर पहुंचने और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करने का सख्त निर्देश दिया है। सभी प्रधानाध्यापकों को अपने विद्यालय के बूथों पर दोबारा सभी मूलभूत सुविधा जैसे शौचालय, पेयजल, बिजली, रैंप आदि को देख लेने का निर्देश बीडीओ को दिया गया है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अक्टूबर 2025 में 42,892 गाड़ियां बेचीं

मुंबई(उत्तरशक्ति)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज अक्टूबर 2025 के त्योहारी महीने के लिए अपनी बिक्री परिणामों की घोषणा की। इस संख्या में 40,257 घरेलू बिक्री शामिल हैं, जबकि 2,635 गाड़ियां निर्यात बाजारों को भेजी गईं। टीकेएम ने अक्टूबर 2024 में 30,845 यूनिट्स की बिक्री की थी और अक्टूबर 2025 में 39% की वृद्धि दर्ज करते हुए 42,892 यूनिट्स की बिक्री की है। कंपनी ने सितम्बर 2025 में 31,091 यूनिट्स की बिक्री की थी और अक्टूबर 2025 में 38% की वृद्धि दर्ज करते हुए 42,892 गाड़ियां यूनिट्स की बिक्री की है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर वाधवा ने बताया कि, हमारी वृद्धि हमारे संचालन में सहज तालमेल और ग्राहक-केंद्रियता के अटूट समर्पण का प्रमाण है।

हाल ही में पेश की गई अर्बन क्रूजर हायराइडर एयरो एडिशन और 2025 फॉच्यूनर लीडर एडिशन की फेस्टिव एडिशन को उनकी अनूठी स्टाइलिंग और प्रीमियम मूल्य प्रस्ताव के लिए जबरदस्त सराहना मिली है। ये मॉडल अधिकृत डीलरशिप पर बुकिंग और डिलीवरी के लिए उपलब्ध हैं। ड्रम ताओ के साथ हमारे सहयोग ने ग्राहक उत्साह और जुड़ाव को और बढ़ा दिया है। इसके अलावा, त्योहारी सीजन के दौरान अनुकूल आर्थिक वातावरण, जो सरकार की दूरदर्शी जीएसटी सुधारों से मजबूत हुआ है, ने बाजार के आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया है।

टीकेएम में, इससे ग्राहक पूछताछ और ऑर्डर इनटेक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो सामूहिक रूप से हमारे संपूर्ण प्रदर्शन को गति दे रही है। अक्टूबर 2025 में टीकेएम ने अर्बन क्रूजर हायराइडर एयरो एडिशन पेश किया, जिसमें विशेष स्टाइलिंग पैकेज है जो एसयूवी की स्पोर्टी और प्रीमियम अपील को बढ़ाता है।

साथ ही 2025 फॉच्यूनर लीडर एडिशन में नए डिजाइन तत्व और फीचर अपग्रेड्स लाए गए जो ब्रांड की पावर, परफॉर्मेंस और प्रीमियम स्टाइलिंग की विरासत को मजबूत करते हैं। कंपनी ने यूज्ड कार सेगमेंट में उपस्थिति को मजबूत करने के लिए चंडीगढ़ में एक नया प्री-ओन्ड कार आउटलेट खोला।

पौधरोपण करके भाजपा पिछड़ा मोर्चा ने की जिलास्तरीय बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के पचहटियां में स्थित मां शीतला पैलेस में भाजपा पिछड़ा मोर्चा की जिलास्तरीय बैठक और सह भोज कार्यक्रम रविवार को सम्पन्न हुआ जिसके मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री सुशील मिश्रा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता एवं संचालन जिला महामंत्री अमर जौहरी ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सुशील मिश्रा ने कहा कि पिछली सरकारों में पिछड़ी जातियों का कोई भी ध्यान नहीं दिया गया परंतु नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार ने पिछड़ा वर्ग के लोगों को सत्ता और राजनीति में पर्याप्त जगह दिया। भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। पिछड़े वर्ग के नेताओं को कई प्रदेशों का मुख्यमंत्री बनाया। केंद्र तथा प्रदेश की सरकारों में पर्याप्त संख्या में मंत्री भी बनाया। भारतीय जनता पार्टी के संगठन में भी पिछड़े वर्ग को बहुत महत्व दिया गया। इस अवसर पर डीसीएफ अध्यक्ष धनंजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष विमल भोजवाल, अमरदेव श्रीमाली, उषा मौर्य, चंद्रेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, शिवमूरत राजभर, विजय यादव, तीर्थराज गुप्ता, रविंद्र राजभर, रामराज बिंद, रामचंद्र राजभर, लाल बहादुर विश्वकर्मा, गुरु प्रसाद गुप्ता, राममूर्ति बिंद सहित मंडलों और जिला के पदाधिकारी उपस्थित रहे। अन्त में जिला मंत्री अमरदेव श्रीमाली ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने कार्यक्रम स्थल पर आंवला के पौधे का रोपण करके पर्यावरण का संदेश दिया।

सड़क हादसे डंपर ने तीन दोस्तों को कुचला: एक साथ उठी तीनों की अर्थी

दादरी(उत्तरशक्ति)। यूपी के ग्रेटर नोएडा स्थित कोतवाली दादरी क्षेत्र में सड़क हादसे में मरने वाले तीनों दोस्तों के शव शनिवार रात में करीब साढ़े 10 बजे गांव में पहुंचे। शवों को देख परिजन, ग्रामीण बिलख उठे। गमगीन माहौल में तीनों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। फिलहाल पुलिस को तहरीर नहीं मिली थी। गांव शेरपुर निवासी रोहित, मोंटू, श्वेत की दादरी कोतवाली क्षेत्र में हायर कंपनी के पास मोड़ पर डंपर की टक्कर से मौत हो गई थी। तीनों सुरक्षा बल में भर्ती होने की तैयारी कर रहे थे। परिजनों ने शासन, प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। रविवार को गांव में दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांव के बुजुर्ग धर्मा, दुलीचंद, खचेडू का कहना है कि उन्होंने पहली बार एक साथ तीन युवाओं की अर्थियां उठती देखी हैं। पिता विनोद ने बताया कि मोंटू परिवार में सबसे बड़ा था। छोटा बेटा दीपांशु हाईस्कूल, बेटी पारुल कक्षा आठ में है। वह पंचर लगाते हैं। श्वेत के पिता राजकुमार ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। श्वेत उनका बड़ा बेटा था। छोटा बेड़ा स्पर्श हाईस्कूल का छात्र है। श्वेत के सफल होने से परिवार के हालात बदल जाएंगे यही सोचा था। रोहित के पिता जितेंद्र ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। रोहित उनका छोटा बेटा था।

पेड़ पर गमछे के फंदे पर लटककर सजायाफ्ता बंदी ने दी जान

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय कारागार नैनी परिसर में शनिवार देर शाम एक 60 वर्षीय सजायाफ्ता बंदी का शव चक्र संख्या दो में दरी गोदाम के सामने आम के पेड़ पर गमछे के बने फंदे पर लटकता मिला। सूचना पर जेल अधिकारियों के साथ मौके पर फॉरेंसिक टीम, नैनी पुलिस पहुंची और फंदे से शव को नीचे उतारा। जानकारी के अनुसार कौशाम्बी के पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के बरूआ गांव निवासी उदय राज लोध थाना पश्चिम शरीरा में दर्ज धारा 302 व 307 के मुकदमे में 23 दिसंबर 2023 को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उसे 20 जुलाई 2025 को केंद्रीय कारागार नैनी स्थानांतरित कर दिया गया। उसे नैनी जेल में चक्र संख्या में दो में रखा गया था। शनिवार को जेल बंद होने के दौरान जब बंदियों की गिनती की गई तो एक बंदी कम पाया गया। इस पर जेल प्रशासन ने गायब बंदी की तलाश शुरू की। खोजबीन के बाद पता चला कि चक्र संख्या दो के दरी गोदाम के सामने आम के पेड की टहनी पर गमछे के फंदे पर लटक रहा है। सूचना पर जेल अधिकारी पहुंचे। नैनी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर जेल अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बंदी ने आत्महत्या क्यों की यह स्पष्ट नहीं हो सका है। जेल प्रशासन के अनुसार आजीवन कारावास की सजा के विरुद्ध बंदी ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में वाद दाखिल किया था। जो विचाराधीन है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। मामले की जानकारी बंदी के परिजनों को दे दी गई है।

होंडा एक्टिवा ने बनाया नया रिकॉर्ड, पूरे देश में 3 करोड़ 50 लाख ग्राहकों का भरोसा

रांची (उत्तरशक्ति)। देश की अग्रणी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी की लोकप्रिय स्कूटर श्रृंखला एक्टिवा की बिक्री अब 3 करोड़ 50 लाख से अधिक पहुंच गई है।

यह उपलब्धि एक्टिवा की बढ़ती लोकप्रियता और देशभर के उपभोक्ताओं के भरोसे को दर्शाती है। सन 2001 में लॉन्च होने के बाद से ही एक्टिवा ने भारत में दोपहिया चलाने के तौर-तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव किया।

यह स्कूटर अपनी भरोसेमंद गुणवत्ता, बेहतर माइलेज और आसान संचालन के कारण हर वर्ग के लोगों की पहली पसंद बन गया। कंपनी ने बताया कि पहले 1 करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा वर्ष 2015 में, 2 करोड़ का 2018 में और अब 3.5 करोड़ का 2025 में पूरा हुआ है।

होंडा ने समय के साथ एक्टिवा में तकनीकी सुधार और नई खूबियों को जोड़ा है। हाल ही में कंपनी ने एक्टिवा और एक्टिवा 125 का वर्षगांठ संस्करण बाजार में उतारा है, जो ग्राहकों को नया अनुभव प्रदान करता है।

होंडा का सेवा नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है, जिससे ग्राहकों को बिक्री और सेवा दोनों की सहज सुविधा मिलती है। यही कारण है कि एक्टिवा आज भी हर उम्र और हर वर्ग के लोगों की पसंद बनी हुई है।

प्रैक्टिकल अंक अपलोड न होने पर नहीं मिलेंगे प्रवेश पत्र

अलीगढ़ (उत्तरशक्ति)। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में प्रैक्टिकल के आंतरिक अंक विवि के पोर्टल पर अपलोड न होने पर प्रवेश पत्र जारी नहीं होंगे। प्रयोगात्मक परीक्षा कराने की तिथि 16 नवंबर से 25 नवंबर तक होगी। परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र कुमार ने बताया कि सत्र दिसंबर-2025 विषम सेमेस्टर मुख्य परीक्षा फॉर्म (शैक्षिक सत्र 2025-26 में नवीन प्रवेश वाले छात्रों को छोड़कर) और सभी विद्यार्थियों के सेमेस्टर बैक व बैक फॉर्म भरे जाएंगे। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि आठ नवंबर है। विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 12 नवंबर तक है। विभागों और महाविद्यालयों द्वारा परीक्षा फॉर्म सत्यापित करने की अंतिम तिथि 13 नवंबर होगी। आंतरिक अंक विवि पोर्टल पर अपलोड करने की तिथि आठ से 15 नवंबर तक है। आरएमपीयू से संबद्ध महाविद्यालयों में बीएड के विद्यार्थियों के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण पांच नवंबर तक होंगे। समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी प्रो. शुभेश कुमार गोयल ने बताया कि अलीगढ़, एटा, कासगंज और एटा में विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में जिन विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, वह पोर्टल पर पंजीकरण कर लें।

यूपी बोर्ड परीक्षाओं के लिए केंद्र निर्धारण की नीति जारी

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के लिए केंद्र निर्धारण की नीति शनिवार को जारी कर दी। इसके तहत सीसीटीवी कैमरों से लैस विद्यालय ही परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। केंद्र निर्धारण के लिए इस बार कई नए मानक भी तय किए गए हैं। इसके तहत जिन विद्यालयों में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था है, उन्हें केंद्र निर्धारण में वरीयता दी जाएगी।

इसके लिए 10 अंक भी तय किए गए हैं। जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है, उन्हें भी केंद्र निर्धारण में वरीयता दी जाएगी।

प्रधानाचार्य कक्ष से अलग दोनों तरफ सीसीटीवी कैमरों युक्त सुरक्षित स्ट्रांग रूम बनाए जाने के लिए कहा गया है। स्ट्रांग रूम में प्रश्न पत्रों को रखने के लिए चार डबल लॉक के बॉक्स होंगे। इसी के साथ उत्तर पुस्तिकाओं को रखने के लिए भी अति सुरक्षित स्ट्रांग रूम होगा।

मानक के अनुसार, प्रवेश द्वार एवं प्रमुख स्थलों के अलावा सभी कक्षाओं के बाहर भी दोनों तरफ सीसीटीवी कैमरे लगे होने चाहिए। ये कैमरे बोर्ड एवं प्रशासन के कंट्रोल रूम से भी जुड़े होंगे। परीक्षा केंद्र 12 किमी की परिधि में होने चाहिए।

परीक्षा केंद्र बनाए जाने वाले विद्यालयों का भौतिक सत्यापन जिला एवं तहसील स्तर पर गठित समिति करेगी। गाइडलाइन के अनुसार, प्रधानाचार्य निर्धारित प्रारूप में विद्यालय में जियो लोकेशन के साथ विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण पोर्टल पर अपलोड करेंगे।

इसे जिलों को भेज दिया जाएगा। इसके बाद एसडीएम की अध्यक्षता में तहसील स्तर पर गठित समिति इसका भौतिक सत्यापन करेगी। समिति में डीएम की ओर से नामित अभियंत्रण विभाग के अभियंता एवं संबंधित तहसील के तहसीलदार सदस्य होंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से अधिकृत सह जिला विद्यालय निरीक्षक या राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य सदस्य सचिव होंगे। भौतिक सत्यापन में तथ्य गलत पाए जाते हैं तो विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारी की हार्डवेयर की एजेंसी का ताला तोड़कर चोरी

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के नेदुला स्थित गोरखपुर के एक व्यापारी की हार्डवेयर की एजेंसी का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी और सामान उठा दिया। चोर सीसीटीवी कैमरा का डीवीआर भी उठा ले गए। बता दें कि, गोरखपुर बेतियाहाता के निवासी विपुल और विजय रुंगटा की कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के नेदुला बाईपास पर हार्डवेयर की एजेंसी है। विपुल ने बताया कि वह लोग शुक्रवार रात में दुकान बंद करके गोरखपुर चले आए। एजेंसी के पीछे बने क्वार्टर में तीन कर्मचारी मौजूद थे।

सुबह जब सफाई करने वाली महिला आई तो उसने दुकान का ताला टूटा देख क्वार्टर में रहने वाले कर्मचारियों को सूचना दी। व्यापारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद खलीलाबाद आए और पुलिस को घटना की जानकारी दी। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली और साक्ष्य एकत्रित किए। उन्होंने बताया कि दुकान के गल्ले में रखे करीब एक लाख रुपये नकदी, सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर और अन्य सामान गायब है। इस संबंध में कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

एक महीने में पकड़ी गई 48 लाख से ज्यादा की स्टांप चोरी

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जनपद की सभी तहसीलों में जमीन के बैनामे होते हैं। बैनामे के दौरान जरूरी स्टांप लगाए जाते हैं। अक्तूबर में हुई रजिस्ट्री के अभिलेखों की जांच की गई तो इसमें बैनामेदारों ने 48 लाख से ज्यादा की स्टांप चोरी पकड़ी गई है। इस मामले में एआईजी स्टांप की ओर से 59 लेखपत्रों पर स्टांप चोरी का मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। जिले में स्टांप चोरी का यह पहला मामला पकड़ में नहीं आया है बल्कि इसके पहले भी कई मामले प्रकाश में आ चुके हैं। स्टांप चोरी के मामलों पर लगाम लगाने के लिए डीएम की ओर से पांच लेखपत्रों के स्थलों का निरीक्षण किया गया। इसमें से तीन लेखपत्र सही पाए गए जबकि लेखपत्रों में कमी पाई गई और 43 हजार रुपये की चोरी पाई गई। एडीएम वित्त एवं राजस्व ने दो लेखपत्रों की जांच की, जांच में दोनों लेखपत्र सही पाए गए। वहीं सहायक महानिरीक्षक ने अक्तूबर में 58 लेखपत्रों का निरीक्षण किया गया।

इसमें 43 लेखपत्र सही पाए गए। जबकि 15 लेखपत्रों में कमियां मिलीं और 14.15 लाख रुपये के स्टांप की चोरी पाई गई। वहीं उपनिबंधक द्वारा 136 लेखपत्रों का मूल्यांकन किया गया। इसमें 136 लेखपत्र सही पाए गए लेकिन 42 लेखपत्रों में 33.92 लाख रुपये की चोरी पकड़ में आई।